देशबन्धु

वर्ष – 34 । अंक – 264 । भोपाल, शनिवार 23 सितंबर 2023 । पृष्ठ–8 । मूल्य – 3.00 रुपए

न किसी ने की शिकायत, न कोई लापरवाही आई सामने, फिर भी काट लिया आधा वेतन — पृष्ठ 2
▪ बात बिगड़ेगी तो फिर दूर तलक जाएगी ▪ भारत के लिए आसान नहीं है मुद्रास्फीति से लड़ना — पृष्ठ 4
▪ आदिवासी कन्या आश्रम छात्रावास की अधीक्षिका और भृत्य निलंबित — पृष्ठ 6
उद्योगों का केन्द्र बनने जा रहा उज्जैन — पृष्ठ 8

संसद में बसपा सांसद के खिलाफ अमर्यादित टिप्पणियों पर छिड़ा विवाद

बिधूड़ी को भाजपा ने जारी किया नोटिस, लोकसभा अध्यक्ष ने भी लगाई फटकार

नई दिल्ली, देशबन्धु। लोकसभा में भाजपा सांसद रमेश विधूड़ी ने बसपा सांसद को गाली दी। जिस पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने फटकार लगाते हुए नाराजगी जाहिर की तो भाजपा ने भी उन्हें नोटिस जारी कर दिया है। उधर विपक्ष भी भड़क गया है और सांसद पर सख्त कार्रवाई किए जाने की मांग की।

गुरुवार को लोकसभा में जब विधूड़ी चंद्रयान–3 की सफलता पर चल रही चर्चा पर बोल रहे थे तो बसपा सांसद दानिश अली ने कुछ टोका–टोकी की। इसके बाद भाजपा सांसद अपना आपा खो दिए और दानिश के लिए आतंकवादी सहित कई अभद्र शब्दों का प्रयोग किया। साथ ही बाहर निकलकर निपटने की भी धमकी दी। उनकी इस हरकत पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर ऐसा व्यवहार सांसद द्वारा दुबारा किया गया तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा के निर्देश पर उन्हें नोटिस भी जारी कर दिया गया है। उधर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने इस कृत्य के विधूड़ी की निंदा की। उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने माफी मांगी है, लेकिन वो काफी नहीं है। इस तरह की भाषा से केवल दानिश अली नहीं पूरे सदन का अपमान है। टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने विधूड़ी के भाषण का वीडियो साझा करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि इसमें भाजपा सांसद बसपा सांसद के लिए उग्रवादी, आतंकवादी समेत कई आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल कर रहे हैं। सदन की गरिमा के रखवाले लोकसभा अध्यक्ष ओम बिडला और विश्वगुरू नरेंद्र मोदी व जेपी नड्डा कृपया कार्रवाई करें।

विपक्षी नेताओं ने की कार्रवाई की मांग

भाजपा सांसद बिधूड़ी की टिप्पणियों पर विपक्ष के नेताओं ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने बिधूड़ी के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए प्रधानमंत्री पर ही सवाल उठाए हैं. आरजेडी सांसद मनोज झा ने कहा कि उन्हें आश्चर्य नहीं हुआ. उन्होंने एक समाचार एजेंसी से कहा– प्रधानमंत्री के वसुधैव कुटुंबकम की सच्चाई यही है. गोडसे को देशभक्त बताने वाला सांसद कौन है, किस पार्टी का है? अगर सदन के भीतर एक सांसद के लिए ये भाषा बोली जा रही है, तो सोचिए कि सड़कों पर, गलियों में, गांवों में मुसलमानों और दलितों के खिलाफ किस तरह के बयान को वैधता दी गई है. प्रधानमंत्री जी, रमेश बिधूड़ी आपके माननीय सांसद हैं, लेकिन उनके लिए एक सख्त शब्द नहीं बोल पाए. यानी माना जाए कि आपकी मर्जी से हो रहा है. आपकी मर्जी के बगैर आपके दल में एक पत्ता नहीं हिलता, तो बिधूड़ी कैसे हिल गए? विपक्ष का कोई नेता बोले तो निलंबित करके बाहर कर दिया जाता है. सुनिए इस भाजपा सांसद को, जो सांसद दानिश अली को सदन के अंदर आतंकवादी कह रहा है. देश संविधान और संवाद से चलेगा दादागिरी से नहीं।

न्याय नहीं मिला तो सदन छोड़ दूंगा : दानिश

रमेश बिधूड़ी के अमार्यादित बोल पर बसपा के सांसद दानिश अली ने कहा है कि मैंने लोकसभा स्पीकर को चिट्ठी लिखकर मामले को प्रिविलेज कमेटी में भेजने की मांग की है। जब मेरे जैसे निर्वाचित सदस्य का यह हाल है तो सामान्य व्यक्ति का क्या हाल होगा। मुझे उम्मीद है, न्याय मिलेगा, स्पीकर जांच कराएंगे। वरना मैं भी इस संसद को छोड़ने के बारे में सोच रहा हूं क्योंकि इसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

इधर, बसपा सुप्रीमो मायावती ने भाजपा सांसद की टिप्पणी पर कड़ा ऐतराज जताते हुए कहा कि दानिश अली के खिलाफ सदन में आपत्तिजनक टिप्पणी को स्पीकर ने रिकार्ड से हटाकर उन्हें चेतावनी भी दी है। वरिष्ठ मंत्री ने सदन में माफी मांगी है, लेकिन पार्टी ने उन पर ठोस कार्रवाई नहीं की जो दुर्भाग्यपूर्ण है।

बिधूड़ी के बयान पर राजनाथ तक का देनी पड़ी सफाई

रमेश बिधूड़ी के बयान पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह तक को सफाई देनी पड़ी है। उनके शब्दों को सदन की कार्यवाही से हटा दिया गया। राजनाथ ने कहा कि उन्होंने वह बात नहीं सुनी, लेकिन बिधूड़ी ने अगर ऐसा कुछ कहा है, जिससे बसपा सांसद की भावनाएं आहत हुई हैं तो मैं इस पर खेद व्यक्त करता हूं। जब रमेश बिधूड़ी ये सब बोल रहे थे, तब अध्यक्ष की आसंदी पर कोडिकुन्नील सुरेश बैठे थे। उन्होंने बिधूड़ी से बैठने को कहा, लेकिन वे चुप नहीं हुए। बिधूड़ी के इस दुर्व्यवहार का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। रमेश बिधूड़ी के बोलते समय उनके पीछे बैठे भाजपा के ही सांसद और पूर्व मंत्री रविशंकर प्रसाद और हर्षवर्धन हंसते हुए नजर आए। जब लोगों ने इस बारे में सोशल मीडिया पर उनके खिलाफ लिखना शुरू किया तो उन्होंने अपनी सफाई में कहा कि वे दुखी और अपमानित महसूस कर रहे हैं। कुछ लोगों ने उनका नाम घसीटा है। उन्होंने यह भी लिखा कि सदन में जो अराजकता हुई थी, उसे हम स्पष्ट रूप से नहीं सुन सके कि कौन क्या कह रहा था।

केंद्र सरकार की मंशा पर राहुल ने उठाए सवाल, कहा-

महिला आरक्षण बिल जल्द हो लागू

सरकार महिला आरक्षण बिल अभी से क्यों नहीं लागू करती इसमें जनगणना व परिसीमन जैसे नियम क्यों जोड़े गए : राहुल गांधी

नई दिल्ली, देशबन्धु। संसद से महिला आरक्षण विधेयक पारित हो जाने के बाद भाजपा जहां इसे लेकर जश्न बना रही है, वहीं कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर से कोटा में कोटा तहत ओबीसी का मामला उठाया है। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण अच्छी बात है और इसे आज ही लागू किया जा सकता है। लेकिन भाजपा सरकार की मंशा सही नहीं है और वह जनगणना व परिसीमन के बहाने इसे लागू नहीं कर रही है। उन्होंने महिला आरक्षण से लेकर ओबीसी अधिकारियों तक का मुद्दा उठाया।

राहुल गांधी ने कहा कि महिला आरक्षण विधेयक पारित हो गया लेकिन इसमें दो बातें सरकार की मंशा पर सवाल खड़ी करती हैं। जिसमें पहली जनगणना और दूसरा परिसीमन है। इन दोनों को पूरा करने में कई साल लग जाएंगे। महिला आरक्षण को आज ही लागू किया जा सकता है,लेकिन सरकार इसे लागू नहीं करना चाहती है। उन्होंने कहा कि सच्चाई यह है कि इस कानून को लागू करने में कम से कम 10 साल लगेंगे। कांग्रेस नेता ने कहा कि भाजपा को जनगणना और परिसीमन की बात हटाकर पहले महिलाओं को भागीदारी देनी चाहिए।

जातीय जनगणना से ध्यान हटाना चाहती है सरकार

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सरकार द्वारा लाए गए महिला आरक्षण विधेयक की कमियां गिनाईं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जातीय जनगणना से ध्यान हटाना चाहती है। कांग्रेस नेता ने कहा कि जनगणना को लेकर यूपीए सरकार ने डेटा निकाला था, उसे सार्वजनिक किया जाय और पता चल जाएगा कि ओबीसी की आबादी कितनी है। इसके अलावा नई जनगणना जाति के आधार पर कराने की भी मांग की।

ओबीसी समुदाय को भी करें शामिल

कांग्रेस नेता ने भारत सरकार में सचिव स्तर के ओबीसी अधिकारियों का भी मामला उठाया और कहा कि केंद्र में तैनात 90 सचिवों में से ओबीसी समुदाय से सिर्फ तीन सचिव ही क्यों शामिल हैं। ओबीसी अधिकारी हिंदुस्तान के 5 फीसदी बजट पर ही नियंत्रण रखते हैं। प्रधानमंत्री हर रोज ओबीसी की बात करते हैं, लेकिन सवाल है कि उन्होंने ओबीसी समुदाय के लिए किया क्या है। राहुल ने कहा कि उन्होंने सवाल किया कि क्या हिंदुस्तान में ओबीसी की आबादी महज पांच फीसदी ही है। अगर नहीं तो ओबीसी भारत में जिस अनुपात में हैं,उसी अनुपात में उन्हें भागीदारी मिलनी चाहिए।

सार समाचार

जनआक्रोश यात्रा के संबंध में जयवर्धन 25 को लेंगे बैठक

गुना, देशबन्धु। कांग्रेस द्वारा श्योपुर से निकाली जा रही जनाक्रोष रैली 1 या 2 अक्टूबर को गुना आएंगी। इस संबंध में कांग्रेस जिलाध्यक्ष मेहरबान सिंह धाकड़ की अध्यक्षता में शुक्रवार को जिला कांग्रेस कार्यालय में बैठक संपन्न हुई। बैठक में बताया गया कि कांग्रेस की जनाक्रोष यात्रा जिले में दो दिन रहेगी। यात्रा के संबंध में प्रस्तावना तैयार करने हेतु वृहद बैठक का आयोजन राघौगढ़ विधायक जयवर्धन ड्क्षसह की अध्यक्षता में 25 सितंबर को होगा। बैठक के दौरान गुना एवं बमोरी क्षेत्र के सभी दावेदार एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अवैध कट्टा और बका के साथ 2 गिरफ्तार

गुना, देशबन्धु। कुंभराज पुलिस द्वारा अंतर्राज्यीय चैकिंग पोस्ट पर वाहन चैकिंग के दौरान अवैध हथियार के साथ एक व्यक्ति को दबोचा है। इसके अलावा स्थाई वारंटी को पुलिस ने कोई बारदात की फिराक में अवैध धारदार हथियार लहराते हुए गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस द्वारा ग्राम बड़ागांव पर वाहन चैकिंग की जा रही थी। चैकिंग के दौरान राजस्थान तरफ से आ रहे सवारी वाहन ऑटो को पुलिस द्वारा चैकिंग हेतु रोका गया तो ऑटो में से एक व्यक्ति हड़बड़ा कर बाहर निकला और वापस राजस्थान तरफ दौड़ लगा दी।

जिसके इस तरह भागने पर पुलिस द्वारा संदेह के आधार पर उस व्यक्ति का पीछाकर उसे बमुश्किल दबोचा। जिसने पूछताछ पर अपना नाम प्रधुमन पुत्र श्रीलाल मीना निवासी ग्राम कान्हाखेड़ी थाना कुम्भराज बताया। जिसकी तलाशी लेने पर उसकी कमर में 12 बोर का एक देशी कट्टा खुरसा हुआ मिला। जिसे चैक करने पर उसमें एक राउण्ड लोड पाया गया। जिसे पुलिस द्वारा अनलोड कर विधिवत जप्त कर आरोपी पर धारा 25/27 आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई कर गिरफ्तार किया। इसी प्रकार पुलिस द्वारा छबड़ा तिराहे पर एक व्यक्ति के अपने हाथ में लोहे का धारदार बका लेकर घूमते हुए गिरफ्तार किया। जिसने पूछताछ में अपना नाम रामेश्वर पुत्र रोडीलाल मीना निवासी ग्राम कान्हाखेड़ी थाना कुम्भराज का होना बताया। पुलिस द्वारा आरोपी पर धारा 25(2) आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की है। आरोपी पर न्यायालय से स्थाई वारंटी भी जारी था।

लामबंद राघौगढ़ के मीटर रीडरों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर की शिकायत

न किसी ने की शिकायत, न कोई लापरवाही आई सामने , फिर भी काट लिया आधा वेतन

गुना, देशबन्धु। बिना किसी शिकायत और लापरवाही के राघौगढ़ अनुभाग में कार्यरत बिजली कंपनी के मीटर रीडरों का आधा वेतन काट लिया गया। कंपनी की कार्यप्रणाली से नाराज मीटर रीडर शुक्रवार को जिला मुख्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। मीटर रीडरों के अनुसार वह अपना काम पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निष्पादित कर रहे हैं। उसके बाद भी उनका आधा वेतन काट लिया गया। जबकि न तो उनकी कोई शिकायत की गई है और न ही उनके ऊपर लापरवाही का आरोप था। फिर उनका अगस्त 23 का वेतन खातों में आधा ही डाला गया। जबकि अन्य वृतों में सभी मीटर रीडरों को पूर्ण वेतन प्रदान किया गया है।

इस संबंध में जब मीटर रीडरों ने क्रिस्टल कंपनी के सुपरवाईजर सोनू भारद्वाज से फोन पर चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि एचआर प्रबंधक गुना के आदेश पर उनकी वेतन काटी गई है। कलेक्टर के नाम दिए ज्ञापन में मीटर रीडरों ने बताया कि वैसे ही उनका वेतन बहुत कम है। उसमें भी बिना कसूर के इस तरह वेतन काटा जाएगा तो उनके परिवार का भरण पोषण कैसे होगा। ज्ञापन में समस्त मीटर रीडरों ने उनका काटा गया वेतन वापस दिलाने की मांग की है।

मानदेय और पद वापस दिलाने के लिए लामबंद हुए: पटेल

आदर्श ग्रामीण पटेल संघ ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

गुना, देशबन्धु। कभी गांव का प्रमुख व्यक्ति का ओहदा रखने वाले पटेल इन दिनों सरकार की बेरुखी से नाराज है। शुक्रवार को आदर्श ग्रामीण पटेल संघ के नेतृत्व में सैकड़ों पटेलों ने कलेक्टोरेट पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम सीएम को ज्ञापन सौंपा। जिसमें पटेल ने गांव की व्यवस्था में अपनी पुरानी स्थिति बहाल करने एवं कम से कम दस हजार रुपए प्रतिमाह मानदेय देने की मांग की। इस दौरान पटेल संघ ने चेतावनी दी कि यदि सरकार उनकी मांगों को पूरा नहीं करती है तो इस विधानसभा चुनावों में सरकार को खामियाजा भुगतना पड़ेगा। इस मौके पर पटेल संघ ने बताया कि पुराने समय की व्यवस्था में जमीनों की राजस्व वसूली जमीनों की नपति आदि कार्य पटेल समुदाय के हाथों में था। पटेल समुदाय ही खेतों की राजस्व वसूली किया करते थे। वही विवादित जमीनों की नपती व उनका समझौता किया करते थे। ग्राम के विकास आदि उनके हाथों में थे। आज की वर्तमान परिस्थिति में यह समस्त अधिकार शासन ने पटवारी के हाथों में सौंप दिए हैं। ज्ञापन में मांग की गई कि राजस्व की वसूली सहित अन्य जमीन से संबंधित कार्यों को शासन द्वारा पटवारी के हाथों में सौंपना पटेल समुदाय की अनदेखी है। इसी मांग को लेकर हमारे द्वारा मुख्यमंत्री को ज्ञापन भी सौंपा गया है। ज्ञापन में खानदानी ग्राम पटेलों को दस हजार रुपए प्रतिमाह मानदेय देने एवं 1990 के पूर्व से कार्य करते आ रहे खानदानी पटेलों के पुत्र को पटेल का उत्तराधिकारी बनाया जाए।

प्रेमिका की जुदाई में युवक ने खाया जहर, हुई मौत

गुना, देशबन्धु। चांचौड़ा थानांतर्गत ग्राम तेलीगांव में एक युवक ने प्रेम प्रसंग के चलते जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। मृतक का प्रेम प्रसंग राजस्थान निवासी एक लडक़ी के साथ चल रहा था। दोनों वहां से भागकर तेलीगांव आ गए थे। मामले में तीन-चार दिन पूर्व लडक़ी के परिजन राजस्थान पुलिस के साथ गांव पहुंचे और लडक़ी को वापस ले गए। इसी के बाद से युवक दुखी था। गत रात उसने जहरीला पदार्थ खाकर अपनी जान दे दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार चांचौड़ा थानांतर्गत तेली गांव निवासी सोनू अहिरवार (26) कुछ माह पहले मजदूरी के सिलसिले में राजस्थान गया था। यहां उसे एक 19 वर्षीय लडक़ी से प्रेम हो गया। दोनों के बीच प्रेम प्रसंग कुछ माह से चल रहा था। इसी दौरान कुछ समय पूर्व सोनू उक्त युवती को अपने साथ गांव ले गया। वहीं दूसरी ओर युवती के परिजनों ने थाने में रिपोर्ट करा दी। गत दिवस पुलिस के साथ पहुंचे परिजन युवती को अपने साथ ले गए।

घर लौटा तो फांसी पर लटकी मिली पत्नी

– इधर कैंट थानांतर्गत नानाखेड़ी मंडी में पति झांकी देखने गया था, देर रात वह घर लौटा तो उसकी पत्नी फांसी के फंदे पर लटकी मिली। वहीं दोनों बच्चे पास में ही सो रहे थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार कैंट थाना अंतर्गत नानाखेड़ी मंडी निवासी मधु पारदी पत्नी अर्जुन पारदी (30) की लाश गत रात्रि करीबन 12-1 के बीच में फांसी पर लटकी मिली। महिला के पति अर्जुन ने बताया कि वह रात्रि को झांकी देखने गया हुआ था। रात 1 बजे के करीब जब वह घर वापस लौटा तो उनकी पत्नी मधु का शव फांसी के फंदे पर लटका मिला।

जब मन निर्मल एवं पवित्र होगा, तभी जीवन में धर्म आएगा-मुनिश्री

गुना देशबन्धु। संसारी प्राणी अपनी दिनचर्या में उठता है, बैठता, घुमता, फिरता है तो इस बात का ध्यान रखता है। कि मेरे स्वच्छ कपडे व शरीर धूल आदि से गंदे अपवित्र न हो जाये। उसे गंदे होने पर साफ करने की भी सोचता है पर यह नहीं सोचता कि मेरी आत्मा मेरा मन कितना अपवित्र है। मन में कितनी गलत भ्रान्तिया पल रही हैं, उन्हें साफ करने, उन्हें दूर करने का आज तक पुरूषार्थ नहीं किया।

जिस दिन इन भ्रान्तियो से छूटकारा पा जायेगा तभी ''उत्तम शौच (सरल) धर्म जीवन में प्रकट हो जाएगा। उक्त धर्मोपदेश पर्यूषण महापर्व के अवसर पर महावीर भवन चौधरी मोहल्ला में मुनिद्वय आगम सागरजी एवं मुनिश्री पुनीत सागरजी महाराज ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। मुनिश्री ने कहा कि आशा और लोभ के कारण वह अपने हित अहित के बारे में विचार नहीं कर पा रहा है।

लाड़ली योजनाओं का पलीता लगा रहे पंचायतकर्मी

करोंद में ग्रामीणों ने पावती मांगी तो पंचायत सचिव ने की गाली गलौच

गुना देशबन्धु। एक ओर सरकार प्रत्येक लाड़ली बहना योजना के फॉर्म हरहाल में भरने को लेकर भरपूर प्रयास कर रही है। वहीं दूसरी ओर ग्राम पंचायतों के सचिव एवं रोजगार सहायक योजना का पलीता लगाने से नहीं चूक रहे। कुछ ऐसा ही मामला ग्राम पंचायत करोंद में सामने आया है।

यहां सचिव एवं सहायक सचिव द्वारा लाड़ली बहना आवास एवं उज्जवला योजना के फॉर्म जमा करने आए ग्रामीणों के साथ अभद्र व्यवहार कर गाली गलौंच की जा रही है। सचिव एवं सहायक सचिव की कार्यप्रणाली से परेशान ग्रामीण शुक्रवार को जिला मुख्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने कलेक्टर को आवेदन देकर दोनों पंचायतकर्मियों पर कार्रवाई की मांग की। ग्रामीणों के अनुसार ग्राम पंचायत करोंद में सचिव अनिल शर्मा एवं सहायक सचिव मनीष रघुवंशी द्वारा मुख्यमंत्री लाड़ली बहना आवास एवं उज्जवला योजना के फॉर्म भरने के दौरान ग्रामीणों के साथ अभद्र व्यवहार किया जा रहा है। जब ग्रामीण उनके पावती मांगते हैं तो दोनों गाली गलौंच कर फॉर्म ही फाड़ देते हैं। इस दौरान महिला हितग्राहियों के साथ दोनों ने गाली गलौंच कर मारपीट करने पर उतारु हो गए। वहीं ग्रामीणों को झूठे केस में फंसाने की धमकी दी।

इस संबंध में ग्रामीणों ने बजरंगगढ़ थाने में भी शिकायत की। लेकिन यहां आवेदन लेकर ग्रामीणों को चलता कर दिया। कलेक्टर को दिए आवेदन में ग्रामीणों ने संबंधित पंचायत कर्मियों पर कार्रवाई करने की मांग की है।

नपाध्यक्ष ने किया सीसी रोड का भूमिपूजन

गुना, देशबन्धु। नगर पालिका परिषद द्वारा वार्ड क्रमांक 07 ईदगाह बड़ी में सीसी रोड एवं नाली निर्माण कार्य का भूमि पूजन नपाध्यक्ष सविता गुप्ता के मुख्य आतिथ्य में हुआ। इस मौके पर विधायक प्रतिनिधि अरविंद गुप्ता, वार्ड पार्षद महेश कुशवाह विशेरू रूप से उपस्थित रहे। पनरिया नदी से ईदगाह बाड़ी बस्ती में बनने वाली सीसी सडक़ की लागत लगभग 20 लाख रुपए है। जिसमें सीसी रोड एवं नाली का निर्माण किया जाएगा। इस सडक़ के बनने से स्थानीय नागरिकों को जल भराव की समस्या से छुटकारा मिलेगा। साथ ही ईदगाह की ओर जाने वाले एवं स्थानीय नागरिकों को आवागमन में सहूलियत होगी। नपाध्यक्ष श्रीमती गुप्ता ने बताया कि नगर पालिका द्वारा शहर के विभिन्न वार्डों में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु एवं नागरिकों की सुविधा के लिए सीसी सडक़ नाली निर्माण कराया जा रहा है। भूमि पूजन के अवसर पर पार्षद तस्नुम खान, ईस खान, ऋतिक झा, लालाराम लोधा, भगवान सिंह कुशवाह, कल्याण लोधा, अशोक सोनी, नेता प्रतिपक्ष शेखर वशिष्ट, विजय सिंह कुशवाह, अब्दुल हलीम गाजी, महेंद्र कुशवाह, राजेश साहू स्थानीय नागरिक मोतीलाल कुशवाह, हेमन्त कुशवाह, शैलेश कुशवाह, सीएमओ बीडी कतरोलिया, उपयंत्री बीबी गुप्ता, मयूरी श्रीवास्तव, भारती लोधी, विनोद शर्मा, राजकुमार राठौर आदि उपस्थित थे।

पुलिस को मिली बड़ी सफलता, सागौन सहित कार जब्त

आष्टा, देशबन्धु। पुलिस अधीक्षक सीहोर मंयक अवस्थी के निर्देशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गीतेश गर्ग और आकाश अमलकर एस.डी.ओ.पी. के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी पार्वती शैलेन्द्र सिंह तोमर को थाना क्षेत्र में गणेश झांकिया की व्यवस्था ड्यूटी में थे कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि इंदौर भोपाल हाइवे रोड़ कोटरी तरफ से एक सफेद रंग की ऑल्टो कार क्रमांक एमपी 04 एचए 0181 में सागौन भारी है, जिसे आष्टा तरफ लेकर जा रहा है। सूचना पर थाना प्रभारी शैलेन्द्र सिंह तोमर पुलिस बल के साथ किलेरामा जोड़ पर पहुंचे। संदिग्ध कार को रोकने का प्रयास किया तो कार नही रुकी, कार को आरोपी तेजी से भगाकर चौपाटी से काजीखेड़ी जोड़ की भाग ले गया । पीछा करते हुए शुजालपुर रोड़ काजी खेड़ी जोड़ पर पहुंचे तो ऑल्टो कार का अज्ञात चालक गाड़ी छोड़ कर भाग गया उक्त वाहन चेक करने पर उसके अंदर से सागौन के करीबन 63 नग मिले। जिसे मौके से जप्त कर थाना पार्वती लेकर आए। अपराध कायम कर विवेचना में लिया सागौन और कार की कीमत 1 लाख 60 हजार रुपए आंकी गई। इस महत्पूर्ण भूमिका मे थाना प्रभारी शैलेन्द्र सिंह तोमर, सउनि अशोक श्रीवास्तव, प्रधान आरक्षक, जगदीश, आरक्षक रामबाबु वर्मा , अर्जुन अंगोरिया, ज्ञान सिंह ,पायलेट संदीप शामिल रहे।

बाल्मीकि समाज ने किया सांगते का स्वागत

आष्टा, देशबन्धु। बाल्मीकि समाज के सफाई कर्मचारी दरोगा विनोद सांगते के स्वच्छता अधिकारी बनने पर वाल्मीकि समाज के युवा राहुल बाल्मीकि मित्र मंडल द्वारा विनोद सांगते का पुष्पमाला एवं साफा पहनाकर स्वागत किया गया। जिसमें मुख्य रूप से राहुल बाल्मीकि ने बताया कि समाज के लिए यह बहुत ही गर्व की बात है कि समाज के लोग अब बड़े-बड़े पदों पर विराजित हो रहे हैं। इस अवसर पर आदित्य डूमाने, रोहित राठौर, आशु भैरवे, ध्रुव तंबोली, जतिन चावरिया, सोनू भारत, लड्डू करण, कालू राज आदि युवा साथी मौजूद रहे।

चुनाव समिति में सहप्रभारी बनने पर पटवारी को बधाई

आष्टा, देशबन्धु। पूर्व मंत्री और प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष ओजस्वी वक्ता जीतू पटवारी को प्रदेश चुनाव अभियान समिति का सहप्रभारी बनाए जाने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त किया है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता हिफजुर्रहमान भैया मियां बलबहादुर सिंह ठाकुर डॉक्टर ओपी वर्मा सुनील सेठी, डॉ मीना सिंगी इदरीस मंसूरी, ठाकुर प्रसाद वर्मा ,विनीत सिंघी, भैया एमपी ,चंदर सिंह ठाकुर, धर्मेन्द्र ठाकुर, महेंद्र सिंह टीपा,खेड़ी नईमुद्दीन ,सोहेल मिर्जा ,अनार सिंह मेवाडा ,आत्माराम परमार रामचंद्रावरिया हरी ठाकुर ,सौभाल सिंह मुलगी ,उदय सिंह ठाकुर, शांतिलाल मंडलोई ,विश्राम सिंह ठाकुर ,इमरान खान, मोहम्मद खालिद रईस मंसूरी, ओम नामदेव, कलीमुद्दीन, पूर्व पार्षद सलीम अंसारी शम्मी खा समीर खान ने श्री पटवारी को बधाई दी।

शासकीय कन्या महाविद्यालय में जिला स्तरीय आयोजन

बैडमिंटन प्रतियोगिता : प्रतिद्वंदियों को कड़ी टक्कर देकर किया परास्त

सीहोर, देशबन्धु। शासकीय कन्या महाविद्यालय सीहोर में जिला स्तरीय बैडमिंटन महिला/पुरुष प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी रवि स्वरूप विरहा और महाविद्यालय प्राचार्य सहित अन्य महाविद्यालयों से पधारे क्रीड़ा अधिकारियों व प्रभारियों की उपस्थिति में किया गया। प्रतियोगिता में चंद्रशेखर आज़ाद शासकीय स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय सीहोर, शासकीय कन्या महाविद्यालय सीहोर, शासकीय महाविद्यालय नसरूल्लागंज, शहीद भगत सिंह शासकीय महाविद्यालय आष्टा, सम्राट अशोक कॉलेज सीहोर, आर.एस.बी. कॉलेज नरूल्लागंज, शासकीय महाविद्यालय लाड़कुई शासकीय महाविद्यालय जवारनगर एवं शासकीय महाविद्यालय नसरूल्लागंज आदि विभिन्न महाविद्यालयों के प्रतिभागी एवं क्रीड़ा अधिकारी और प्रभारी उपस्थित हुए। प्रतियोगिता में सर्वप्रथम बैडमिंटन पुरुष एकल प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसके बाद बैडमिंटन पुरुष डबल्स प्रतियोगिता आयोजित की गई। पुरुष एकल और डबल्स प्रतियोगिता हो जाने के बाद महिला एकल व डबल्स प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सभी प्रतिभागियों ने प्रतियोगिता में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया एवं अपने प्रतिद्वंदियों को कड़ी टक्कर देकर परास्त किया।

इस बैंडमिंटन जिला स्तरीय प्रतियोगिता से संभाग स्तर के लिए चयनित होने वाले खिलाड़ियों में शासकीय कन्या महाविद्यालय सीहोर की छात्रा सीमा और मोनिका, आर.एस.बी. कॉलेज नसरूल्लागंज की छात्रा आस्था और शिवानी, शासकीय महाविद्यालय आष्टा के छात्र साहिल और राजपाल, आर.एस.बी. कालेज नसरूल्लागंज के छात्र शुभ जैन, शिवम व संस्कार, शासकीय महाविद्यालय जावर नगर के छात्र अनिल और शासकीय महाविद्यालय नसरूल्लागंज के छात्र निखिल शामिल रहे। संभाग स्तर के लिए चयनित सभी खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किए गए।

भोपाल में हुई झमाझम, जारी रहेगा बौछारें पड़ने का सिलसिला

भोपाल, देशबन्धु। झारखंड के पास कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। मानसून द्रोणिका भी गुना, सतना से होकर गुजर रही है। इनके असर से नमी आ रही है। उधर तापमान बढ़ा हुआ रहने से प्रदेश के अधिकतर जिलों में एक बार फिर गरज-चमक के साथ वर्षा का सिलसिला शुरू हो गया है। इसी कड़ी में राजधानी भोपाल में गुरुवार रात से शुक्रवार सुबह तक झमाझम बारिश हुई। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक शनिवार को पूरे प्रदेश में मध्यम स्तर की बारिश हो सकती है।

मौसम विज्ञान केंद्र के मौसम विज्ञानी अभिजीत चक्रवर्ती ने बताया कि वर्तमान में कम दबाव का क्षेत्र झारखंड के आसपास लगभग 7.5 किलोमीटर की ऊंचाई तक बना हुआ है। इसके बिहार की तरफ बढ़ने की संभावना है। वहीं मानसून द्रोणिका जैसलमेर, कोटा, गुना, सतना से होते हुए बंगाल की खाड़ी तक जा रही है। इस वजह से बंगाल की खाड़ी से लगातार नमी आ रही है। उधर धूप निकलने के कारण तापमान भी बढ़ा हुआ है। इस वजह से स्थानीय स्तर पर बादल बनने के साथ ही गरज-चमक के साथ कहीं-कहीं तेज बौछारें पड़ने लगी हैं।

इसी कड़ी में राजधानी भोपाल में गुरुवार देर रात झमाझम बारिश शुरु हो गई। बारिश का यह सिलसिला शुक्रवार सुबह तक चलता रहा। इस बीच कभी तेज तो कभी मध्यम बौछारे पड़ती रही। इससे जहां नाले नालियां उफन गए, वहीं कई सड़के और निचली बस्तियां जल मग्न हो गई। हालांकि सुबह 10 बजे के बाद बारिश थम गई और फिर दिन भर धूप भी खिली। इसके कारण लोग गर्मी से परेशान भी हुए। मौसम केनद्र के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान भोपाल में 69.4 एवं भोपाल (शहर) में 21.8, मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। वहीं मौसम विज्ञानियों के मुताबिक इस तरह की स्थिति शनिवार को जारी रह सकती है।

उधर, पिछले 24 घंटों के दौरान मलाजखंड में 99.2, नर्मदापुरम में 54.4, खरगोन में 50, बैतूल में 38.4, मंडला में 23, शिवपुरी में 20.2, उमरिया में 18.4, सीधी में 13.8, जबलपुर में 11.2, छिंदवाड़ा में 7.4, ग्वालियर में 6.8, सिवनी में 5.8, रायसेन में 3.4, खंडवा में तीन, नरसिंहपुर में दो, पचमढ़ी में 1.8, इंदौर में एक, सतना में 0.4 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

बड़ा तालाब अब आधा फीट ही खाली, खुल सकते हैं भदभदा के गेट

गुरुवार रात और शुक्रवार सुबह हुई तेज बारिश बड़े तालाब का जलस्तर 1666.30 फीट तक पहुंच चुका है, जबकि इसका अधिकतम जलस्तर 1666.80 फीट है। ऐसे में बड़े तालाब को भरने के लिए आधा फीट पानी की और जरुरत है। अधिकारियों ने संभावना जताई है कि शनिवार तक बड़ा तालाब लबालब हो जाएगा, जिसके बाद भदभदा बांध के गेट खोलने पड़ सकते हैं। इसी तरह केरवा बांध में ढाई फीट और कोलार व कलियासोत बांध पांच फीट-पांच फीट खाली है।

2 वर्ष तक जलप्रदाय लायक पानी

निगम के जलकार्य विभाग में एई अजय सोलंकी ने बताया कि बड़े तालाब से प्रतिदिन 3.5 एमसीएफटी पानी की आपूर्ति की जाती है। ऐसे में एक जून 2024 तक 1,037 एमसीएफटी पानी की जरुरत होगी। जबकि बड़े तालाब में न्यूनतम जलस्तर से 2700 एमसीएफटी पानी अधिक आ चुका है, जो आगामी दो वर्षों के लिए पर्याप्त है। वहीं केरवा और कोलार में भी जलप्रदाय के लिए पर्याप्त पानी है।

तेज बारिश से होटल में भरा पानी, 6 कर्मचारी फंसे

बीती रात हुई सतत वर्षा से बैरागढ़ के निकटवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में कई इलाके जलमग्न हो गए। वहीं ग्राम कोलूखेड़ी में शंकर समूह की होटल रायल रिगालिया पानी से लबालब हो गई और होटल के कर्मचारी पानी में फंस गए। इसकी सूचना मिलने पर पहुंचे नगर निगम के फायर अमले ने रस्सी की मदद से उन्हें बाहर निकाला।

दरअसल कोलूखेड़ी और आसपास ग्रामीण क्षेत्रों में कुछ जमीन मालिकों ने पुलियाओं पर कब्जा कर उसे संकरा कर दिया है। इस कारण यहां हर साल तेज बारिश होने पर पानी भर जाता है। यही वजह रही कि देर रात लगातार बारिश होने से यहां की पुलियाओं से पानी का बहाव अवरूद्ध हो गया। वहीं शंकर समूह की रायल रिगालिया होटल में भी पानी भर गया और होटल के कर्मचारी पानी में फंस गए। सूचना मिलने पर फायर प्रभारी परवेज खान की अगुवाई में गोताखोर मौके पर पहुंचे और पानी के बीच फंसे छह कर्मचारियों को बाहर निकाला। होटल के संचालक दिलीप दरियानी के अनुसार पानी से होटल के अंदर रखा काफी सामान भी खराब हो गया। आकाश गार्डन के पीछे बने होटल, रेस्टोरेंट में भी पानी घुस गया।

कोलांस नदी उफान पर मार्ग रहा बंद

बड़ी झील को लबालब करने वाली कोलांस नदी भी शुक्रवार को उफान पर आ गई। इससे खजूरी, नीलबड़ मार्ग काफी समय बंद रहा। वहीं फंदा, खजूरी एवं ईटखेड़ी मार्ग पर भी पानी जमा हो गया। ऐसे में इस मार्ग पर भी करीब तीन घंटे तक आवाजाही बंद रही।

विवाहिता से बढ़ाई नजदीकियां, पति से तलाक कराकर किया दुष्कर्म

भोपाल, देशबन्धु। पांच साल पहले महिला की दोस्ती फेसबुक पर एक युवक से हो गई। महिला का पति से मनमुटाव हुआ तो युवक ने शादी का झांसा देकर उसके पति से तलाक करवा दिया। इसके बाद उसने महिला का शारीरिक शोषण करना शुरू कर दिया। पिछले दिनों युवक ने दूसरी युवती से शादी कर ली। पीड़ित महिला ने मामले की शिकायत पुलिस को कर दी। पुलिस ने दुष्कर्म का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। फिलहाल आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

शाहजहांनाबाद थाना पुलिस के अनुसार 30 वर्षीय महिला वर्तमान में शाहजहांनबाद इलाके में अपने मायके में रहती है। वर्ष 2010 में उसकी शादी हुई थी। शादी के बाद वह निशातपुरा इलाके की एक बस्ती में अपने पति से साथ रहने लगी थी। उसके दो बच्चे हैं। वर्ष 2018 में फेसबुक पर उसका परिचय मोहम्मद इस्माइल नाम के युवक से हुआ था। उनके बीच फोन पर भी बातचीत होने लगी। इस दौरान महिला ने एक दिन उसे बताया कि उसका पति उसके साथ मारपीट करता है। इस्माइल ने महिला को सलाह दी कि तुम अपने पति को तलाक दे दो। मैं तुमसे शादी कर लूंगा और बच्चों को भी अपना लूंगा। इसके बाद उसने महिला का शारीरिक शोषण करना शुरू कर दिया। वहीं इस्माइल पर भरोसा करते हुए महिला ने अपने पति से तलाक ले लिया और मायके में आकर रहने लगी। इस दौरान शादी करने का भरोसा जताते हुए इस्माइल उसका शारीरिक शोषण करता रहा। पिछले दिनों महिला को पता चला कि इस्माइल ने उसे धोखा देकर दूसरी युवती से शादी कर ली है। इसके बाद वह थाने पहुंची और शिकायत दर्ज करा दी। पुलिस ने दुष्कर्म का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। फिलहाल आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

शातिर बदमाश ने छात्रा के घर में घुसकर की छेड़छाड़

भोपाल, देशबन्धु। टीटीनगर थाने के शातिर बदमाश ने आठवीं कक्षा की छात्रा के घर पहुंचकर छेड़खानी की। जब उसकी मां बेटी को बचाने आई तो बदमाश ने मां के साथ मारपीट कर दी। टीटीनगर थाना पुलिस ने शिकायत के बाद आरोपी के खिलाफ प्रकण दर्ज किया।

टीटीनगर थाने के एएसआइ नर्मदा प्रसाद ने बताया कि नये विधायक विश्राम गृह के पास रहने वाली 12 साल की किशोरी गुरुवार रात करीब साढ़े ग्यारह बजे अपने घर में सो रही थी इसी दौरान किसी के जोर- जोर से दरवाजा खटखटाने की आवाज आइ। जब किशोरी दरवाजा खोला सामने शातिर बदमाश पिंटू उर्फ पीटर खड़ा था। बदमाश ने नाबालिग के साथ बिना किसी कारण हाथ पकड़कर छेड़खानी करना शुरु कर दी। किशोरी ने शोर मचाया तो उसकी मां बाहर आ गई तथा उन्होंने बीच बचाव करने की कोशिश की तो बदमाश ने उनके साथ मारपीट करना शुरू कर दी। इसके बाद रात में ही किशोरी अपने परिजन को लेकर थाने पहुंची और शिकायत कर दी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ छेडखानी व अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। बताया गया है कि आरोपी के खिलाफ पहले से 26 आपराधिक मामले मामले दर्ज हैं।

उधर करीब एक माह की तलाश के बाद 10 वीं की छात्रा के साथ छेड़खानी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी भी नाबालिग निकला है। उसकी गिरफ्तार करीब पांच दिन पहले ही कर ली गई थी,लेकिन पुलिस ने गुपचुप तरीके से उसे बाल कल्याण समिति के सामने पेश कर बच्चों की जेल में भेज दिया गया थ।

कार्यालय नगर पालिक निगम सागर

क्रं./जलप्रदाय/न.नि/2023/31,32 सागर दिनांक 22.09.2023

//ऑनलाईन निविदा सूचना//

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली से पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाइन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेंडर क्रं. जारी दिनांक	कार्य का नाम एवं स्थान	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र की अमानत राशि	निविदा की अंतिम तिथि
1.	2023_UAD_310439_1 22-09-2023	गांधीचौक वार्ड में बकोली के नीचे मुन्ना गौतम के मकान के पीछे 200 एमएम डाया नलकूप खनन का कार्य पंप स्थापन सहित	01 माह 4,21,000=00	2,000.00 4,210=00	13-10-2023 शाम 05:30 तक
2.	2023_UAD_310441_1 22-09-2023	मोहन नगर वार्ड कैलाश फर्श देवेन्द्र साहू तिगड्डा के पास निर्माणाधीन सामूदायिक भवन में 200 एमएम डाया नलकूप खनन का कार्य पंप स्थापना सहित	01 माह 2,97,600=00	2,000.00 2,976=00	13-10-2023 शाम 05:30 तक

नोटः- निविदा में किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑन लाईन **https://mptenders.gov.in** की बेवसाईट पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

आयुक्त, नगर पालिक निगम सागर

कार्यालय नगर पालिक निगम भोपाल

जोन क्रं. 09 वार्ड क्रं. 69

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है। कि जोन कार्यालय क्रं.09 नगर निगम भोपाल के निम्न वार्ड कार्यालय 69 से प्राप्त आवेदन पत्रों को आधार पर नियमानुसार शुल्क जमा कराए जाने के पश्चात उनके नाम संपत्तिकर अभिलेखों में परिवर्तित किए जाना है। यदि किसी को भी इन लीज नामान्तरण पर कोई आपत्ति हो तो अभिलेखों के साथ जोन क्रं.09 नगर निगम भोपाल में 15 दिवस के अंदर प्रस्तुत कर सकते है। उक्त निर्धारित समयवधि पश्चात प्राप्त आपत्ति अमान्य कर दी जावेगी ।

क्रं.	वार्ड क्रं.	आवेदक का नाम	पूर्व स्वामी का नाम	भूखण्ड का पता	खाता नं/ सम्पत्तिकर आई.डी
1	69	1.तबस्सुम शफीक पुत्री श्री शफीक उल हसन 2. मुजीब उल हसन पुत्र श्री शफीक उल हसन	श्री आनन्द कुमार गुप्ता पुत्र श्री कृष्णादास गुप्ता	311 अशोक विहार कॉलोनी	
2	69	श्रीमती सबीहा पत्नी स्व. श्री इक्तेदार अहमद	श्री इक्तेदार अहमद	425 अशोक विहार कॉलोनी	
3	69	श्री मोहम्मद अजीजउद्दीन पुत्र श्री अब्दुल हलीम खान	श्रीमती फरहत जहां पत्नि श्री बन्ने खां	424 अशोक विहार कॉलोनी	
4	69	1. श्री गुरमीत सिंह पुत्र श्री हजारा सिंह 2. श्री बलवीर सिंह पुत्र श्री हजारा सिंह	श्री बलवीर सिंह पुत्र श्री हजारा सिंह 2. श्रीमती सुरिन्दर कौर पत्नी श्री गुरमीत सिंह	124 अशोक विहार कॉलोनी	
5	69	श्री अंकित जैन पुत्र श्री नरेन्द्र कुमार जैन 2. अक्षय जैन पुत्र श्री नरेन्द्र कुमार जैन	श्रीमती विमला एस. नायर पत्नी स्व व्ही एस. नायर	259 अशोक विहार कॉलोनी	

सू.क्रं. 1054/023/024

जोनल अधिकारी
जोन क्रं. 09, नगर निगम भोपाल

ई-नीलामी बिक्री सूचना

एडलवाइस एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड

CIN - U67100MH2007PLC174759
पंजीकृत कार्यालय : एडलवाइस हाउस, पहली मंजिल, ऑफ सी.एस.टी. रोड, कलीना, मुम्बई - 400098.

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 ("नियमावली") के नियम 8(6) एवं नियम 9(1)के प्रावधान के साथ पठित वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत अचल प्रत्याभूत परिसंपत्तियों की बिक्री हेतु ई-नीलामी बिक्री सूचना।

परिमल कैपिटल एण्ड हाउसिंग फायनेंस लिमिटेड को (इसके बाद मूल ऋणदाता / पीसीएचएफएल के रूप में जाना जाता है जिसे पहले दीवान हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के रूप में संदर्भित किया गया है) ने एडलवाइस एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड को वित्तीय परिसंपत्तियों को **ईएआरसी-ट्रस्ट-एससी-477** (इसके बाद "ईएआरसी" के रूप में संदर्भित) के ट्रस्टी के रूप में अपनी क्षमता से कार्य करते हुए सौंपा है। सरफेसी अधिनियम, 2002 की धारा 5 के तहत दिनांक **30.09.2022** उक्त एसाइनमेंट के अनुसरण में ईएआरसी समनुदेशक की भूमिका में आ गया और वित्तीय संपत्तियों के संबंध में पीसीएचएफएल एवं पीसीएचएफएल के सभी अधिकारों, शीर्षक और हितों के साथ-साथ अंतर्निहित सुरक्षा हितों, गारंटी, ऋणी द्वारा प्राप्त वित्तीय सहायता के संबंध में ईएआरसी में निहित है और ईएआरसी सुरक्षित लेनदार के रूप में अपने सभी अधिकारों का प्रयोग करता है।

एतद्द्वारा नोटिस सर्व साधारण और विशेषकर कर्जदार और जमानती (ओं) को **30 दिन की सूचना** दी जाती है कि प्रत्याभूत लेनदार के पक्ष में बंधक अधोलिखित अचल प्रत्याभूत परिसंपत्तियाँ जिनका भौतिक कब्जा प्रत्याभूत लेनदार के प्राधिकृत अधिकारी (एओ) द्वारा ले लिया गया है, ईएआरसी के देय नीचे वर्णित राशियों और इस पर आगे की ब्याज व अन्य व्यय / लागतों, घटाए कर्जदार और जमानती से ईएआरसी को प्राप्त कोई धनराशि, की वसूली के लिए "जो है जहाँ है" और "जहाँ है, जैसी भी है" और "जो भी है" आधार पर बिक्री की जायेंगी। प्रत्येक संपत्ति के लिए आरक्षित मूल्य और धरोहर राशि जमा नीचे वर्णित हैं।

नीलामी के लिए रखी प्रत्याभूत परिसंपत्ति का विवरण:

ऋण खाता सं./ बिक्री संस्थान	कर्जदार/ सह-कर्जदार का नाम	ट्रस्ट का नाम	बैंक और शाखा का नाम, खाता नंबर और आईएफएससी कोड	कुल बकाया देय रुपयों में दि. 18.09.2023 को	आरक्षित मूल्य (रु. में)	ईएमडी (रु. में)	नीलामी तिथी व समय	कब्जे का प्रकार
21000041740/ (परिमल कैपिटल एवं हाउसिंग फायनेंस लिमिटेड)	1. राजेन्द्र कुमार सोनी (ऋणी) 2. ममता सोनी (सह-ऋणी)	ईएआरसी ट्रस्ट एससी-477	ट्रस्ट संख्या- [000405135291] खाता - ICICI बैंक IFSC ICIC0000004	₹ 40,52,132.47/-	₹ 16,00,000/- (रु. सोलह लाख मात्र)	₹ 1,60,000/- (रु. एक लाख साठ हजार मात्र)	26.10.2023 एवं दोपः 3.00 बजे	भौतिक कब्जा

संपत्ति का विवरण: फ्लेट नं. 44, एफ- ब्लॉक, बी- टाईप, वैष्णव अपार्टमेंट, सुरेन्द्र पैलेस, वार्ड नं. 53, खसरा नं. 2, प.ह.न. 20, अहमदपुर कला भोपाल, मध्य प्रदेश- 462001, सिटी- भोपाल, मध्य प्रदेश- पिन कोड- 462001 स्थित एवं **चतुःसीमा:** पूर्वः फ्लेट नं. 45, पश्चिमः रोड़, उत्तरः खुला, दक्षिणः सीढ़ी

नीलामी प्रक्रिया के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी:

1.	सभी डिमांड ड्राफ्ट (डीडी) उपरोक्तानुसार ट्रस्ट के नाम में जारी किया जाए और मुंबई में आहरणीय हो।
2.	ईएमडी जमा करने की अंतिम तिथि	नीलामी की तिथि से एक दिन पूर्व तक प्राप्त किए जायेंगे
3.	निविदा जमा करने के लिए स्थान	प्रथम मंजिल, एडलवाइस हाउस, ऑफ सीएसटी रोड, कलीना, मुम्बई -400098
4.	नीलामी स्थान (नीलामी के लिए वेबसाइट)	ई-नीलामी (https://auction.edelweissarc.in)
5.	संपर्क व्यक्ति के साथ फोन नंबर	ग्राहक सेवा नं. : 18002666540
6.	संपत्ति निरीक्षण की तिथि व समय	पूर्व समयादेश के अनुसार

बिक्री के विस्तृत नियम व शर्तों के लिए कृपया ईएआरसी की वेबसाइट अर्थात **https://auction.edelweissarc.in** पर दिया लिंक देखें।

दिनांक : 12-09-2023 **प्राधिकृत अधिकारी**
स्थान : मुम्बई वास्ते एडलवाइस एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड (इएआरसी ट्रस्ट एससी 477 के ट्रस्टी)

Edelweiss Asset Reconstruction

3 शराब तस्कर गिरफ्तार

भोपाल, देशबन्धु। क्राइम ब्रांच पुलिस ने गुरुवार रात तीन स्थानों पर अवैध शराब तस्करों पर कार्रवाई कर उनको गिरफ्तार किया। तीनों शराब तस्करों से करीब 65 लीटर देशी और विदेशी शराब जब्त की गई है।

क्राइम ब्रांच के मुताबिक पहली कार्रवाई टीटीनगर के नर्मदा भवन के सामने की। जहां पर एक थैले में रखकर शराब बेच रहे पीएचआइ परिसर अर्जुन नगर निवासी 33 वर्षीय मुकेश गोडाने को पुलिस ने गिरफ्तार किया। उसके पास से अवैध शराब मिली। दूसरी कार्रवाई में पंचवटी कालोनी ब्रिज के नीचे सब्जी दुकान से शराब बेचते मिले 23 वर्षीय के रुप सिंह कुशवाह को गिरफ्तार किया गया। वह सब्जी की दुकान की आड़ में शराब बेच रहा था। क्राइम ब्रांच ने तीसरी कार्रवाई में एक स्कूटर सवार को शराब की तस्करी करते पकड़ लिया। बाद में उसे थाने लाकर पूछताछ की तो उसकी पहचान द्वारिका नगर स्टेशन बजरिया निवासी 28 वर्षीय दीपक कुचबंदिया के रूप में हुई। उसके पास से भी अवैध शराब बरामद की गई है। पुलिस ने तीनों कार्रवाई में 65 लीटर अवैध शराब बरामद की है। सभी पर आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट की धाराओं में एफआइआर दर्ज कर गिरफ्तारी की गई है।

निर्वाचन कार्य में लगे कर्मचारियों का प्रशिक्षण संपन्न

भोपाल, देशबन्धु। आगामी विधानसभा निर्वाचन की तैयारियों के संबंध में शुक्रवार को जिले में नियुक्त सेक्टर ऑफिसर,एक्सपेंडीचर मॉनीटरिंग व्यय लेखा, पोस्टल बैलेट, फैसलिटी स्टॉफ एवं जिला स्तरीय मीडिया मॉनीटरिंग टीम का प्रशिक्षण कुक्कुट पालन भवन वैशाली नगर में संपन्न हुआ। नोडल अधिकारी प्रशिक्षण एवं स्वीप ऋतुराज सिंह, राष्ट्र स्तरीय मास्टर ट्रेनर डॉ. संजय दीक्षित एवं राज्य स्तरीय मास्टर डॉ. जितेन्द्र परमार द्वारा निर्वाचन कार्य में लगे अधिकारी एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया।

जिरोती बना माह का प्रादर्श

भोपाल, देशबन्धु। मानव संग्रहालय में सितंबर माह के चौथे सप्ताह के प्रादर्श के रूप में निमाड़ की पारंपरिक चित्रकला जिरोती को शामिल किया गया है। इसे मप्र के निमाड़ लोकसमुदाय से 2008 में संकलित किया गया। संग्रहालय के निदेशक डा. अमिताभ पांडे ने बताया कि जिरोती मध्यप्रदेश के निमाड़ क्षेत्र की एक पारंपरिक कला है। यह जिरोती अमावस्या या हरियाली अमावस्या के अवसर पर महिलाओं द्वारा घर की दीवारों पर बनाई जाती है। जिरोती निमाड़ की महिलाओं का सबसे लोकप्रिय त्योहार है क्योंकि यह त्योहारों के प्रारंभ का प्रतीक है। जिरोती के बाद नागपंचमी, राखी, संझाफुली, दशहरा, दिवाली जैसे लगातार त्योहारों की झड़ी लग जाती है।

कार्यालय नगर परिषद माखन नगर, जिला नर्मदापुरम म.प्र.

Nagar Parishad Makhan Nagar, Dist-Narmadapuram M.P.
Phone &Fax no. 07574-259687 E-mail id-cmobabai@mpurban.gov.in
क्रं./ 1569/यू.ए.डी.डी./सीएमओ/ 2023 माखन नगर, दिनांक 20.09.2023

निविदा सूचना

निम्न कार्य हेतु निकाय द्वारा वेबसाईट www.mptender.gov.in पर निविदा आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र वेबसाइट पर 22.09.2023 से 06.10.2023 तक डाउनलोड की जा सकती है। विस्तृत निविदा सूचना आमंत्रण एवं अन्य जानकारी उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है। निविदा संशोधित होने की स्थिति में वेबसाइट पर ही प्रकाशित की जावेगी। समाचार पत्र में नहीं।

टेंडर क्रं.	कार्य का विवरण	कार्य की अनुमानित राशि	अमानत राशि	ऑनलाईन निविदा प्रपत्र का मूल्य	समय अवधि
2023_UAD_ 310588_1	वार्ड क्रं. 07 कुठारिया खेड़ापति मंदिर के पास सार्वजनिक कक्ष निर्माण कार्य	309446/-	3095/-	2000/-	01 माह

अध्यक्ष
नगर परिषद माखन नगर

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद माखन नगर

कार्यालय मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद, राधौगढ़ विजयपुर, जिला गुना (म.प्र.)

क्रमॉक / 1290/ ई-निविदा/2023-24 राघौगढ़ दिनॉक 20/09/23

निविदा विज्ञप्ति कमॉक 32 / ई - निविदा / नप राघैविज जिला, गुना / 2023-24

निविदा विज्ञप्ति सूचना निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु नगर पालिका क्षेत्र अन्तर्गत ऑन लाइन निविदायें आमंत्रित की जाती है। अत: जो ठेकेदार इस कार्य को करने हेतु इच्छुक हों वे अपनी-अपनी ऑनलाइन निविदाऐं म.प्र.न.प. एस.ओ.आर. दिनॉक 02.08.2021 से प्रभावशील दर पर कम / अधिक/एटपार प्रतिशत दर पर प्रस्तुत कर सकते हैं। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइड https://www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्रं.	टैण्डर नम्बर	कार्य का नाम	पी. ए.सी. (लाख) ई. एम डी (ल.) निविदा प्रपत्र की राशि	निविदा प्रपत्र खरीदने की अंतिम तिथि	1. कार्य की समय अवधि 2. आमंत्रण
1	2	3	4	5	6
1	2023_ UAD_ 309991_1	नगरपालिका क्षेत्र वार्ड क्रं. 13 साडा कालोनी में क्रास नाली का निर्माण कार्य । (निर्माण कार्य में करैरा सैण्ड़ का उपयोग होगा)	रू.03.20 लाख रू. 3200.00 केवल रू. 2000.00	03.10.2023	1. 2 माह 2. प्रथम आमंत्रण
2	2023_ UAD_ 309992_1	नगरपालिका क्षेत्र वार्ड क्रं. 14 डॉगर में क्रास नाली का निर्माण कार्य (निर्माण कार्य में करैरा सैण्ड़ का उपयोग होगा)	रू. 02.88 लाख रू. 2880.00 केवल रू.2000.00	03.10.2023	1. 2 माह 2. प्रथम आमंत्रण
3	2023_ UAD_ 309994_1	नगरपालिका क्षेत्र वार्ड क्रं. 15 विजयपुर में क्रास नाली का निर्माण कार्य । (निर्माण कार्य में करैरा सैण्ड़ का उपयोग होगा)	रू.02.98 लाख रू. 2980.00 केवल रू.2000.00	03.10.2023	1. 2 माह 2. प्रथम आमंत्रण
4	2023_ UAD_ 309995_1	नगरपालिका क्षेत्र वार्ड क्रं. 16 पालिका बाजार क्रास नाली का निर्माण कार्य । (निर्माण कार्य में करैरा सैण्ड़ का उपयोग होगा)	रू.02.81 लाख रू. 2810.00 केवल रू.2000.00	03.10.2023	1. 2 माह 2. प्रथम आमंत्रण
5	2023_ UAD_ 309996_1	नगरपालिका क्षेत्र वार्ड क्रं. 20 में क्रास नाली का निर्माण कार्य । (निर्माण कार्य में करैरा सैण्ड़ का उपयोग होगा)	रू.03.04 लाख रू. 3040.00 केवल रू.2000.00	03.10.2023	1. 2 माह 2. प्रथम आमंत्रण
6	2023_ UAD_ 309997_1	नगरपालिका क्षेत्र वार्ड क्रं. 21 विभिन्न स्थानों पर क्रास नाली का निर्माण कार्य। (निर्माण कार्य में करैरा सैण्ड़ का उपयोग होगा)	रू.02.82 लाख रू.2820.00 केवल रू.2000.00	03.10.2023	1. 2 माह 2. प्रथम आमंत्रण
7	2023_ UAD_ 309998_1	नगरपालिका क्षेत्र वार्ड क्रं. 22 में क्रास नाली का निर्माण कार्य। (निर्माण कार्य में करैरा सैण्ड़ का उपयोग होगा)	रू.02.99 लाख रू. 2990.00 केवल रू.2000.00	03.10.2023	1. 2 माह 2. प्रथम आमंत्रण
8	2023_ UAD_ 310000_1	नगरपालिका क्षेत्र वार्ड क्रं. 23 में क्रास नाली का निर्माण कार्य। (निर्माण कार्य में करैरा सैण्ड़ का उपयोग होगा)	रू. 03.06 लाख रू.3060.00 केवल रू.2000.00	03.10.2023	1. 2 माह 2. प्रथम आमंत्रण
9	2023_ UAD_ 310001_1	नगरपालिका क्षेत्र वार्ड क्रं. 24 विभिन्न स्थानों पर क्रास नाली का निर्माण कार्य । (निर्माण कार्य में करैरा सैण्ड़ का उपयोग होगा)	रू.02.95 लाख रू. 2950.00 केवल रू.2000.00	03.10.2023	1. 2 माह 2. प्रथम आमंत्रण
10	2023_ UAD_ 310196_1	नगरपालिका क्षेत्र वार्ड क्रं. 17 विभिन्न स्थानों पर क्रास नाली का निर्माण कार्य। (निर्माण कार्य में करैरा सैण्ड़ का उपयोग होगा)	रू.02.95 लाख रू. 2950.00 केवल केवल रू.2000.00	03.10.2023	1. 2 माह 2. प्रथम आमंत्रण
11	2023_ UAD_ 310199_1	नगरपालिका क्षेत्र वार्ड क्रं. 19 विभिन्न स्थानों पर क्रास नाली का निर्माण कार्य। (निर्माण कार्य में करैरा सैण्ड़ का उपयोग होगा)	रू.02.95 लाख रू. 2950.00 केवल रू.2000.00	03.10.2023	1. 2 माह 2. प्रथम आमंत्रण

1 टैण्डर क्रय करने एवं टैण्डर ड़ालने की अंतिम तिथि 03.10.2023 सायं 05.30
2 टैण्डर खोलने की तिथि 04.10.2023 सायं 05.30

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद,
राधौगढ़ जिला गुना (म.प्र.)

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद,
राधौगढ़ जिला गुना (म. प्र.)

अभिमत

विगत एक दशक में सिख चरमपंथ लंदन, पाकिस्तान से लेकर उत्तर अमेरिका तक अपनी जड़ें गहरी कर गया है, उसकी ज़िम्मेदारी देश के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार क्यों नहीं लेते? देश के गृहमंत्री भी नहीं स्वीकारते कि सिख अतिवाद को जड़ से मिटाने में हम विफल रहे हैं। चार-छह कौवे मारकर टांग दो, तो अतिवाद समाप्त हो जाएगा, ऐसा कोई रणनीतिकार सोचता है, तो अपने नेतृत्व को भ्रम में रखता है। इस पूरे प्रकरण में ट्रूडो जैसा शातिर प्रधानमंत्री कोई भी खेल कर सकता है।

बात बिगड़ेगी तो फ़िर दूर तलक जाएगी

4

पुष्परंजन

जस्टिन ट्रूडो ने अपने इस खेल में जो बाइडेन प्रशासन को भरोसे में ले लिया है, जो उल्टा भारत को सहयोग देने की नसीहत दे रहे हैं। 18 जून को सिख चरमपंथी निज्जर की हत्या हुई। कोई खुफिया इनपुट नहीं। सब कुछ हवा-हवाई। क्या यह संभव नहीं कि स्वयं जस्टिन ट्रूडो ने इस हाई प्रोफाइल खेल को रचा हो?

जून 2023 की बात है। कनाडा के ब्रैंपटन शहर में खालिस्तान समर्थकों ने 5 किलोमीटर लंबी एक परेड निकाली थी। छह जून 2023 को ऑपरेशन ब्लू स्टार की 39वीं बरसी थी। मगर, उससे दो दिन पहले 'शोभा यात्रा' निकालकर माहौल गर्माने का प्रयास किया गया था। इस शोभा यात्रा में एक चलती हुई गाड़ी पर इंदिरा गांधी की हत्या का दृश्य दिखाया गया था। इसमें खून से सनी साड़ी पहने हुए इंदिरा गांधी का एक पुतला था। दो सिख जवानों के पुतले इंदिरा गांधी के पुतले पर गोलियां बरसाते दिख रहे थे। उस झांकी में एक पोस्टर भी लगाया गया था जिसमें लिखा था, 'दरबार साहिब पर हमले का बदला।'

8 जून 2023 को विदेशमंत्री एस. जयशंकर इस आपत्तिजनक झांकी के हवाले से कनाडा के विरूद्ध कड़ा प्रतिरोघ व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यहां बड़ा मुद्दा कनाडा की जमीन का भारत विरोधी चीजों के लिए इस्तेमाल का है। उन्होंने कहा कि भारत विरोध के लिए कनाडा का इस्तेमाल होना, न हमारे रिश्तों के लिए ठीक है, और न उनके लिए ठीक है। एस. जयशंकर ने एक दायित्व बोध के साथ इस विषय को उठाया था। हमारे मतभेद चाहे जितने रहे हों, मगर देश के पूर्व प्रधानमंत्री का इस तरह अपमान क्यों कोई भारतीय बर्दाश्त करे। जयशंकर ने जो किया, उसकी सराहना होनी चाहिए। लेकिन इस समय भारत और कनाडा के बीच जो कुछ चल रहा है, इंडिया गठबंधन को अपनी स्थिति साफ कर देनी चाहिए।

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉडी थॉमस ने एक बयान में कहा था कि, भारत उनके देश के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करता है। वो कौन से आतंरिक मामले हैं? जस्टिन ट्रूडो की राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार को स्पष्ट कर देना चाहिए था। आप अतिवाद को ऊर्जा दो, और उल्टा चोर कोतवाल की तरह व्यवहार करो। कनाडा के प्रधानमंत्री ट्रूडो ऐसा इसलिए कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें अपनी कुर्सी 2025 चुनाव तक बचानी है। पूरे देश का ध्यान उन्होंने बांट लिया है।

जस्टिन ट्रूडो के साथ मुश्किल यह है कि सरकार को सुचारू रूप से चलाने की बजाय देश का ध्यान भटकाने के लिए कभी चीन से, तो कभी भारत से कूटनीतिक संबंध बिगाड़ने में लगे हुए हैं। अक्टूबर 2025 तक सत्ता में बने रहने के लिए जस्टिन ट्रूडो एक कठपुतली प्रधानमंत्री की भूमिका में हैं। सत्तारूढ़ लिबरल पार्टी को 338 सदस्यीय हाउस ऑफ कॉमंस में 170 सभासदों का समर्थन चाहिए। 2019 के आम चुनाव परिणाम के समय न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी (एनडीपी) के लीडर जगमीत सिंह किंग मेकर की भूमिका में अवतरित हुए थे। उनके कहने पर ही 18 सिख सांसदों ने जस्टिन ट्रूडो को प्रधानमंत्री स्वीकार किया था। 22 मार्च 2022 को दूसरे आम चुनाव में भी यही सीन था। एक बार फिर सिख सांसदों ने ट्रूडो की कठपुतली सरकार को समर्थन दे दिया। चार साल की यह मियाद 20 अक्टूबर 2025 को पूरी होगी।

ट्रूडो ने हालिया बयान में कहा भी था कि हम 'सप्लाई एंड कान्फिडेंस' की नीतियों के साथ एनडीपी से अपने संबंध निर्वाह कर रहे हैं। कनाडा की घरेलु राजनीति में स्थिरता के लिए सिख सांसदों का समर्थन ही एकमात्र विकल्प है। ठीक से देखा जाए तो भारतीय लोकसभा से कहीं अधिक सिख सांसद कनाडा में हैं। लोकसभा में 13 तो कनाडा के हाउस ऑफ कॉमन्स में 18 सिख सांसद हैं।

सबसे दुखद पहलू यह है कि खालिस्तान की आवाज को बुलंद कराने में कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो का पूरा समर्थन है। दो साल पहले खालिस्तान पर मतसंग्रह को लेकर जस्टिन ट्रूडो ने बाकायदा बयान दिया कि खालिस्तान के वास्ते मतसंग्रह जब तक शांतिपूर्ण है, हम उन्हें ऐसा करने से रोक नहीं सकते। यह कनाडा के क़ानून द्वारा प्रदत अधिकार है कि किसी विषय पर आप मत संग्रह करा सकते हैं। फ्री स्पीच, असेंबली कनाडा में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हिस्सा है। कनाडा सरकार अखंड भारत के अस्तित्व को स्वीकार करती है। हमने अपने पोजिशन में कोई बदलाव नहीं किया है। हम किसी एडवोकेसी ग्रुप द्वारा मतसंग्रह को मान्यता नहीं देते, मगर हम उन्हें ऐसा करने से रोक नहीं सकते हैं।

थोड़ी देर के वास्ते मान लिया कि कनाडा के प्रधानमंत्री अपने देश के क़ानून को लागू कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं। लेकिन एक उदाहरण के हवाले से वह अपने कुतर्क में खुद फंस जाएंगे। ओंटारियो गुरूद्वारा कमेटी बाकायदा आदेश जारी करती है कि हमारे धर्मस्थलों, खुसूसन ब्रैम्प्टन के गुरूद्वारों में दूतावास या भारत सरकार का कोई अधिकारी प्रवेश नहीं करेगा। अब कोई जस्टिन ट्रूडो से पूछे कि कनाडा की धरती पर यह आदेश कैसे लागू हो सकता है?

टोरंटो स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास के आगे जो कुछ उपद्रव हुआ उसके पीछे की कथा यह है कि ओंटारियो के अंतर्गत आने वाले केल्डोन शहर में किसी इंडो-कैनेडियन नागरिक ने भिंडरावाला का बैनर फाड़ दिया था, जिसे बाद ने पुलिस ने हिरासत में ले लिया था। इस घटना की प्रतिक्रिया में कोई पांच सौ सिखों का हुजूम टोरंटो स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास के आगे प्रदर्शन करने पहुंच गया। उनका आरोप था कि यह सब दूतावास के उकसावे पर हुआ है। वो बोल रहे थे, 'जनरैल सिंह भिंडरावाला शहीद हैं, संत हैं, खालिस्तान आंदोलन के आइकॉन हैं, हम उनका अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे।' इस तरह का कांड करके उत्तर अमेरिका में हिंदू-सिखों को विभाजित करने की चेष्टा पहले से हो रही है, इस सच से हम इंकार नहीं कर सकते। ऐसे खेल में न सिर्फ़ प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो व उनके शैदाई सिख सांसद शामिल हैं, बल्कि पाकिस्तान का दूतावास भी अहम भूमिका अदा कर रहा है।

यह एक ख़तरनाक पहलू है कि इस इलाके में रहने वाले भारतवंशियों को बांटने की साजिश चल रही है। 2021 में प्रवासी भारतीयों के बारे में संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में जानकारी दी गई कि विदेश रहने वाले भारतीयों की संख्या 18 करोड़ है। हर साल प्रवासी भारतीयों की संख्या में दस लाख का इजाफा होता गया है। 2010 से 'एनआरआई-पीआईओ' की आबादी में 17. 2 प्रतिशत की दर से बढ़त हो रही है। ये कहने को प्रवासी हैं, मगर इनमें खेमे बंटे हुए हैं। एक, भारतीय सत्ता प्रतिष्ठान का समर्थक और दूसरा विरोधी। कुछ ऐसे भी हैं, जो इस खेमेबाजी से दूर अपने काम और परिवार से सरोकार रखते हैं।

इंडियन डायसपोरा में यह खेमेबाजी मई 2014 के बाद से व्यापक रूप से दिखी है। जो लोग दुनियाभर में डायसपोरा को मॉनिटर करते हैं, उन्हें भी इस नये ट्रेंड पर हैरानी है। आज की जमीनी हकीकत यह है कि उत्तर अमेरिका जैसे इलाक़े में धर्म, समुदाय, प्रांतवाद के आधार पर एनआरआई-पीआईओ देश में मौजूदा नेतृत्व के प्रति अपनी निष्ठा बदलने लगे हैं। क्या इसके लिए दोषी वो लोग नहीं हैं, जो भारतीय विदेश नीति तय करते हैं। यदि पीएम मोदी के भाषणों में प्रतिपक्ष पर कटाक्ष विदेशी मंचों पर होता है, तो भारतीय समुदाय में विभाजन का दोषी कौन है?

विगत एक दशक में सिख चरमपंथ लंदन, पाकिस्तान से लेकर उत्तर अमेरिका तक अपनी जड़ें गहरी कर गया है, उसकी ज़िम्मेदारी देश के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार क्यों नहीं लेते? देश के गृहमंत्री भी नहीं स्वीकारते कि सिख अतिवाद को जड़ से मिटाने में हम विफल रहे हैं। चार-छह कौवे मारकर टांग दो, तो अतिवाद समाप्त हो जाएगा, ऐसा कोई रणनीतिकार सोचता है, तो अपने नेतृत्व को भ्रम में रखता है। इस पूरे प्रकरण में ट्रूडो जैसा शातिर प्रधानमंत्री कोई भी खेल कर सकता है। 2018 में कनाडा की खुफिया सेवा के हवाले से सरकार ने पांच सिख अतिवादियों की सूची जारी करते हुए सचेत किया था कि ये देश के लिए ख़तरा हैं। अब भी कनाडा सरकार की 'पब्लिक सेफ्टी' वेबसाइट में बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई), इंटरनेशनल सिख यूथ फेडरेशन (आईएसवाईएफ) बतौर आतंकी संगठन सूचीबद्ध हैं।

क्या बीकेआई और आईएसवाईएफ़के सदस्य कनाडा के ब्रैंपटन शहर में खालिस्तान समर्थकों की रैलियों में होते हैं? जस्टिन ट्रूडो सरकार को चाहिए कि सही तरह गेहूं में घुस आये घुन को खोज ले। ये घुन इस देश के लिए कभी भी ख़तरनाक साबित हो सकते हैं। कनाडा और अमेरिका में जिस तरह का भारत-विरोधी उत्पात होता है, उनमें सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) का नाम सबसे आगे दीखता है।

न्यूयार्क में 'एसएफजे' सरगना गुरूपतवंत सिंह पन्नू का मुख्यालय है। तो क्या जो बाइडन प्रशासन खालिस्तान की रचना के वास्ते पन्नू जैसे लोगों की आर्थिक-राजनीतिक मदद कर रहा है? यह सवाल अमेरिकी दूतावास से दिल्ली में कोई नहीं पूछता। आप जी-20 के हवाले से जो बाइडेन का गुणगान और गुडी-गुडी करते रहिए लेकिन अतिवाद के आका के बारे में अमेरिकी प्रशासन से सवाल करने की हिमाक़त मत कीजिए। इसी आतंक के आका गुरपतवंत सिंह पन्नू ने वीडियो जारी किया है कि जो प्रवासी भारतीय खालिस्तान का समर्थन नहीं करते, वो कनाडा छोड़ दें। दो दिन बाद कनाडा का सुरक्षा विभाग जगा, और बयान दिया कि कनाडा में नफरत या डर पैदा करने वाले बर्दाश्त नहीं किये जाएंगे।

सबसे दिलचस्प है कि न्यूयार्क के कोर्ट में आरएसएस को आतंकी संगठन घोषित करने का एक मुकदमा 'सिख फॉर जस्टिस' नामक संगठन ने दायर कर रखा था। अब मोदी सरकार के पास रीढ़ ही नहीं है कि जो बाइडेन प्रशासन से कहकर गुरपतवंत सिंह पन्नू का प्रत्यर्पण भारत कराये, तो हम-आप क्या कर सकते हैं? हिंदू स्वयंसेवक संघ भी शेर का प्रतीक चिह्न लगाकर प्रसन्न होता रहे। जस्टिन ट्रूडो ने अपने इस खेल में जो बाइडेन प्रशासन को भरोसे में ले लिया है, जो उल्टा भारत को सहयोग देने की नसीहत दे रहे हैं। 18 जून को सिख चरमपंथी निज्जर की हत्या हुई। कोई खुफिया इनपुट नहीं। सब कुछ हवा-हवाई। क्या यह संभव नहीं कि स्वयं जस्टिन ट्रूडो ने इस हाई प्रोफाइल खेल को रचा हो?

pushpr1@rediffmail.com

बीता सप्ताह

16 सितंबर

- चद्रयान-1 आंकड़ों का अध्ययन कर वैज्ञानिकों ने दावा किया कि पृथ्वी के उच्च ऊर्ज वाले इलेक्ट्रान चंद्रमा पर पानी बना रहे हैं।
- कश्मीर के अनंत नाग में आतंकियों के साथ मुठभेड़ में एक जवान शहीद हो गया।
- लखनऊ उत्तरप्रदेश में एक मकान की छत गिर जाने से पांच लोगों की मौत हो गई।
- केंद्र सरकार ने देशभर में सैनिक स्कूल खोलने की मंजूरी दी।

17 सितंबर

- महाराष्ट्र सरकार ने औरंगाबाद, उस्मानाबाद शहर का नाम बदलकर संभाजी नगर और सदाशिव कर दिया।
- अनंत नाग बारामुल्ला में सैनिकों ने आतंकियों के साथ जंग जारी रखी तथा 3 आतंकियों को ढेर कर दिया।
- उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग ने अपनी रूस यात्रा के दौरान किसी समझौते पर हस्ताक्षर नहीं किए।
- भारत के नए संसद भवन में 18 सितंबर से विशेष सत्र का शुभारंभ हुआ।

18 सितंबर

- श्रीलंका को 10 विकेट से हरा कर भारत एशिया का आठवीं बार एशिया कप चैंपियन बना।
- छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में 18 सितंबर से दो दिवसीय जी-20 की बैठक प्रारंभ हुई।
- न्यायमूर्ति फैज़ा इसा पाकिस्तान के 21वें मुख्य न्यायाधीश की शपथ ली।
- टेक्सास के अटार्नी जनरल केन पेक्सरन भ्रष्टाचार के आरोपों से बरी हो गए।

19 सितंबर

- केंद्र सरकार की केबिनेट की बैठक में महिला आरक्षण बिल को मंजूरी दी गई।
- इसरो ने सौर वेघशाला के बारे में जानकारी दी कि आदित्य एल-1 ने वैज्ञानिक टेडा एकत्र करना शुरु कर दिया।
- 20 वें चीन आसियान एक्सपो का हस्ताक्षर समारोह नाननिंग शहर में आयोजन शुरु हुआ।
- पाकिस्तान करांची की निवासी एरिका रॉबिन ने मिस यूनिवर्स पाकिस्तान -23 का खिताब जीता।

20 सितम्बर

- लोकसभा के विशेष सत्र में भाजपा सरकार ने 33 प्रतिशत महिला आरक्षण बिल पेश किया।
- छत्तीसगढ़ में जी-20 की दो दिन की बैठक का समापन विश्व अर्थव्यवस्था से जुड़े मुद्दों के चिंतन से हुआ।
- जस्टिस टूडो के आतंकवादी हरदीप सिंह की हत्या में भारत सरकार भूमिका के आरोप के जवाब में भारत सरकार ने कनाडाई राजनयिक को निष्कासित कर दिया।
- छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में एक्सिस बैंक में 7 करोड़ की डकैती मेनेजर को चाकू मारकर की गई।

21 सितम्बर

- महिला आरक्षण बिल लोकसभा में पास हुआ। समर्थन में 454 और विरोध में 2 वोट पड़े।
- 1984 के सिख दंगों के मामले में जेल में बंद कांग्रेस नेता सज्जन कुमार को बरी कर दिया गया।
- भारत के मोहम्मद सिराज बने आईसीसी वनडे गेंदबाजी रैंकिंग में दुनिया के नंबर 1 गेंदबाज।
- महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र में पिछले 72 घंटे के भीतर साठ किसानों ने आत्महत्या कर ली।

22 सितम्बर

- महिला आरक्षण बिल राज्यसभा में सर्वसम्मति से पास, विरोध में कोई वोट नहीं पड़ा।
- लक्ष्मी कृपा स्टील के संचालक व चार पार्टनर के ठिकानों पर आईटी का छापा।
- चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को दी जानकारी, आधार नंबर को मतदाता सूची से जोड़ना अनिवार्य नहीं।
- चंद्रयान-3 मिशन की सफलता और अंतरिक्ष क्षेत्र में देश की अन्य उपलब्धियों को लेकर चर्चा की गई।

लोकसभा सदस्य गीता मुखर्जी ने की थी महिला आरक्षण विधेयक की शुरुआत

■ बिनॉय विश्वम

काफी लंबे इंतजार के बाद महिला आरक्षण बिल संसद से पास हो गया है। जो कोई भी महिला आरक्षण विधेयक को लागू करने के लिए संघर्ष के इतिहास के बारे में जानता है, वह जीत के इस क्षण में कॉमरेड गीता मुखर्जी को याद करेगा। वह अविस्मरणीय कम्युनिस्ट नेता और महिलाओं के अधिकारों के लिए एक सतत सेनानी थीं, जिन्होंने महिला विधेयक को पारित करने को एक जीवन मिशन के रूप में लिया।

वह एक सच्ची कम्युनिस्ट थीं जिनका मानना था कि देश की महिलाओं की मुक्ति के बिना भारतीय क्रांति के कार्य पूरे नहीं हो सकते। संसद और राज्य विधानमंडलों में महिलाओं की तैंतीस प्रतिशत भागीदारी उस दिशा में पहला कदम है। उस पहले कदम को पूरा करने के लिए भी, देश की लोकतांत्रिक ताकतों को दशकों तक लगातार लड़ाई लड़नी पड़ी। विधेयक का पारित होना महिला संगठनों और अन्य लोकतांत्रिक ताकतों के भविष्य के संघर्षों के लिए एक प्रेरणा होगी।

भाजपा सरकार देश में महिला सशक्तिकरण की चैंपियन बनने की कोशिश कर रही है। उनके सभी प्रचार उपाय इसी के अनुरूप हैं और वे प्रचार करते हैं कि नरेंद्र मोदी महिलाओं के अधिकारों के योद्धा हैं। चलाये जा रहे ऐसे प्रचार के विपरीत, सच्चाई यह है कि नरेंद्र मोदी और उनकी पार्टी महिला आरक्षण विधेयक को लागू करने के प्रति बिल्कुल भी ईमानदार नहीं हैं। वे वैचारिक और राजनीतिक तौर पर महिला सशक्तिकरण के पक्ष में नहीं हैं। उनका आरएसएस द्वारा नियंत्रित एक पुरुषवादी संगठन है जिसमें महिलाओं को प्राथमिक सदस्यता से भी वंचित रखा जाता है। उनकी विचारधारा मनुस्मृति द्वारा निर्देशित है, जो 'न स्त्री स्वतंत्रयंअर्हति' (महिलाओं को स्वतंत्र नहीं होना चाहिए) का उपदेश देती हैं। अचानक, उनकी सरकार नारी शक्ति की पैरोकार बन गई और इस विधेयक के साथ उसे ताज पहनाना चाहती थी। चुनावी मजबूरियां भाजपा के अंदर वैचारिक प्रतिबद्धता पर हावी हो रही थीं। अन्यथा, वे इस विधेयक को शुरू करने के लिए 2014 से 2023 तक नौ साल की लंबी अवधि को कैसे उचित ठहरा सकते हैं?

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी और वामपंथी ताकतें हमेशा महिला आरक्षण विधेयक के प्रति दृढ़ता से प्रतिबद्ध रही हैं और उन्होंने देश में प्रगतिशील महिला आंदोलन के साथ-साथ अपना संघर्ष जारी रखा है। नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन वीमेन (एनएफआईडब्ल्यू) इस संघर्ष को जनहित याचिका के रूप में 2021 में सुप्रीम कोर्ट तक ले गया। इस महत्वपूर्ण मामले में सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने भी कड़ा रुख अपनाया।

महिला आरक्षण विधेयक की विषयवस्तु को 1996 में संयुक्त मोर्चा सरकार द्वारा आकार दिया गया था, जिसमें भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी भी महत्वपूर्ण पदों पर थी। तब ओबीसी के लिए आरक्षण को लेकर मतभेद के कारण इसे पारित नहीं किया जा सका था। इस हेतु गीता मुखर्जी के नेतृत्व में एक संयुक्त संसदीय समिति का गठन किया गया। हालांकि इसने रिकॉर्ड समय में अपनी रिपोर्ट पेश की, लेकिन यह कदम आगे नहीं बढ़ सका क्योंकि विधेयक लोकसभा के विघटन के साथ समाप्तअवधि वाला हो गया था।

वाजपेयी सरकार के कार्यकाल में इस मामले में कोई खास प्रगति नहीं हुई। यूपीए-1, जिसमें वामपंथी दलों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, ने मामले को गंभीरता से लिया और महिला आरक्षण विधेयक को न्यूनतम साझा कार्यक्रम में महत्वपूर्ण स्थान मिला। डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली इस सरकार के दौरान, विधेयक 6 मई, 2008 को पेश किया गया था। स्थायी समिति की जांच के बाद, राज्यसभा ने 9 मार्च, 2010 को विधेयक पारित कर दिया। उस समय से, राजनीतिक अनिश्चितताओं के कारण इस विषय में कोई गंभीर विकास नहीं हुआ।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी और वामपंथी ताकतें हमेशा महिला आरक्षण विधेयक के प्रति दृढ़ता से प्रतिबद्ध रही हैं और उन्होंने देश में प्रगतिशील महिला आंदोलन के साथ-साथ अपना संघर्ष जारी रखा है। नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन वीमेन (एनएफआईडब्ल्यू) इस संघर्ष को जनहित याचिका के रूप में 2021 में सुप्रीम कोर्ट तक ले गया। इस महत्वपूर्ण मामले में सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने भी कड़ा रुख अपनाया और सरकार को आगाह किया कि अगर विधेयक को लागू करने में और देरी की गई तो इसके गंभीर परिणाम होंगे।

2024 के आने वाले लोक सभी चुनावों के साथ-साथ, विभिन्न कारकों ने भाजपा सरकार को कानून के साथ आगे आने के लिए मजबूर किया। हालांकि महिला सशक्तिकरण की दिशा में यह एक ऐतिहासिक मोड़ है, लेकिन भाजपा इसके कार्यान्वयन के प्रति बिल्कुल भी ईमानदार नहीं है। आगामी जनगणना और निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन के नाम पर, सरकार ने इसके कार्यान्वयन को किसी और समय के लिए विलंबित करने का प्रयास किया है। इसका विरोध किया जाना चाहिए। देश की लोकतांत्रिक ताकतों ने सरकार से आग्रह किया कि महिला आरक्षण विधेयक को मौजूदा लोकसभा के भंग होने के बाद ही अविलंब लागू किया जाये।

पंचायतों और स्थानीय शहरी निकायों में कुल सीटों में से एक तिहाई (33प्रतिशत) में आधी पर ही महिलाओं के लिए आरक्षण के अनुभव ने हमें दिखाया है कि शासन में महिलाओं को आरक्षण देने से कैसे सकारात्मक परिणाम आ सकते हैं। हमारे राजनीतिक परिदृश्य में परिवर्तन के लिए यह लैंगिक-समावेशी राजनीति के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने का ईंधन होना चाहिए। वर्तमान अधिनियम का दायरा राज्यसभा, राज्य विधान सभाओं और परिषदों के साथ-साथ सभी केंद्र शासित प्रदेशों की विधानसभाओं तक बढ़ाया जाना चाहिए। कानून बनाने वाली संस्थाओं में ओबीसी और अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षण एक सार्थक प्रतिनिधि लोकतंत्र के लिए महत्वपूर्ण है।

गीता मुखर्जी समिति की रिपोर्ट में भी इस पहलू का जिक्र किया गया है। भाजपा के मंच प्रबंधक, जो अब इस अधिनियम के बारे में शेखी बघार रहे हैं, ने आज तक कभी भी ऐसे महत्वपूर्ण सवालों पर अपना दिमाग नहीं लगाया है। उनकी एकमात्र चिंता नारी शक्ति के नाम पर सत्ता पर कब्ज़ा करना है। महिलाओं के साथ सत्ता साझा करना और सामाजिक न्याय का सम्मान उनके राजनीतिक और वैचारिक एजेंडे में शामिल नहीं है। उन्हें जनता के सामने बेनकाब किया जाना चाहिए। जीत के इस पहले बिंदु से महिला सशक्तिकरण के संघर्ष को आगे बढ़ाना है। न्याय और मुक्ति के संघर्ष में कम्युनिस्ट महिलाओं और अन्य सभी लोकतांत्रिक ताकतों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलेंगे।

भारत के लिए आसान नहीं है मुद्रास्फीति से लड़ना

अगस्त महीने के लिए भारत की आधिकारिक मुद्रास्फीति दर 6.83 प्रतिशत है जो पिछले महीने की दर से 7.44 प्रतिशत से नीचे है। यह अभी भी 6 प्रतिशत की अधिकतम दर से ऊपर है जो भारतीय रिजर्व बैंक की रेडलाईन है। जब से मौद्रिक नीति 2016 में मुद्रास्फीति लक्ष्य पर स्थानांतरित हुई है, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) के लिए मुद्रास्फीति का स्वीकार्य बैंड 2 से 6 प्रतिशत के बीच है। पिछले बारह महीनों में यह सातवीं बार है जब मासिक मुद्रास्फीति दर 6 फीसदी से ऊपर है। क्या यह आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के लिए चिंताजनक नहीं होगा? उन्हें मुद्रास्फीति को कम करने के लिए धन की आपूर्ति और सख्त करने की आवश्यकता है लेकिन इस उम्मीद में कि मुद्रास्फीति अपने आप कम हो जाएगी उन्होंने ब्याज दर को अपरिवर्तित रखने का विकल्प चुना है। रिजर्व बैंक के गवर्नर ने भी संकेत दिया है कि मुद्रास्फीति कुछ समय तक ऊंची बनी रहेगी।

भारत के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में उपभोग टोकरी में लगभग 450 विभिन्न वस्तुओं का भारित औसत शामिल है जो ग्रामीण और शहरी उपभोक्ताओं के लिए अलग-अलग है परन्तु इसका लगभग 49 प्रतिशत भोजन और संबंधित वस्तुओं में चला जाता है। इसलिए यदि खाद्य मुद्रास्फीति अधिक है तो स्वाभाविक रूप से समग्र मुद्रास्फीति अधिक होती है।

डॉ.अजीत रानाडे

भारत की राजकोषीय स्थिति स्वीकार की गई स्थिति से कहीं अधिक गंभीर है। यदि हम ऋण सेवा अनुपात की तुलना करते हैं यानी सरकार के राजस्व का कितना हिस्सा कर्ज के बढ़ते पहाड़ जैसे ब्याज का भुगतान करने के लिए जाता है तो हम पाते हैं कि भारत का औसत सभी देशों के औसत से ऊपर है। उच्च घाटे के कारण ब्याज दर भी उच्च बनी रहती है जिससे आवास, अचल संपत्ति और वास्तव में सभी औद्योगिक परियोजनाओं जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को नुकसान होता है।

खाद्य मुद्रास्फीति जो लगभग 49 प्रतिशत है, वर्तमान में 10 प्रतिशत पर चल रही है। इसका कारण सब्जियों, तिलहनों, दालों, दूध और यहां तक कि अनाज की बढ़ती कीमतें हैं। भारत ने निर्यात पर प्रतिबंध लगाने या विभिन्न कृषि उत्पादों पर भारी निर्यात कर लगाने के संयोजन का उपयोग किया है। इनमें गेहूं, चावल, चीनी और प्याज शामिल हैं। यह उन किसानों की कमाई को प्रभावित करता है जो निर्यात से आकर्षक मुनाफे पर नजर रख रहे थे। उदाहरण के लिए भारत ने 2022 में 70.40 लाख टन उबला हुआ चावल निर्यात किया था लेकिन अब इस पर 20 फीसदी का जबरदस्त निर्यात शुल्क है। दुनिया के चावल निर्यात में भारत का हिस्सा 40 प्रतिशत है और भारत के प्रतिबंधों ने दुनिया में चावल की अतिरिक्त कमी पैदा कर दी है। भारत से निर्यात प्रतिबंधों ने चीन, फिलीपींस, बांग्लादेश, इंडोनेशिया और नाइजीरिया जैसे आयातक देशों को प्रभावित किया है। फिलीपींस में चावल की भारी कीमतों के कारण एक मंत्री को इस्तीफा देना पड़ सकता है। क्या प्रतिबंध या निर्यात कर ने भारत में चावल की मुद्रास्फीति को कम कर दिया है? वास्तव में नहीं, क्योंकि स्पष्ट रूप से टूटे हुए चावल (जिस पर निर्यात कर लागू होता है) का उपयोग इथेनॉल उत्पादन के लिए हो रहा है। कारों के लिए ईंधन बनाने के लिए खाद्यान्न का उपयोग करना एक विवादास्पद नीति है, खासकर उस समय जब दुनिया उच्च खाद्य मुद्रास्फीति का सामना कर रही है। फूड एंड एग्रीकल्चर आर्गेनाइजेशन (एफएओ) का चावल मूल्य सूचकांक अगस्त में 9.8 प्रतिशत बढ़ा है और अब यह 15 साल के उच्च स्तर पर है। इस तरह भारत में महंगाई फैलनी तय है। इथेनॉल नीति कीमती डॉलर को बचाने की कोशिश से प्रेरित है जिसे हम कच्चे तेल के आयात पर खर्च करते हैं। तो भी अगर घरेलू खाद्य मुद्रास्फीति डॉलर भुगतान करने की कीमत है तो हमें ईंधन उत्पादन के लिए खाद्य फसलों का उपयोग करने के बारे में सावधानीपूर्वक सोचना होगा।

खाद्य मुद्रास्फीति से परे कच्चे तेल के बारे में हमारा नजरिया भी उच्च कीमतों की आशंका बढ़ाता है। रूस और सऊदी अरब द्वारा आपूर्ति में कटौती के कारण तेल की कीमतें पहले ही 85 डॉलर को पार कर गई हैं और ऊंची ही बनी रहेंगी। चूंकि यह भारत के आयात पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है इसलिए संभावना है कि भारतीय रुपया 83 से 85 तक गिर जाएगा। तेल आयात बिल को केवल सॉफ्टवेयर और आईटी सेवाओं के उम्मीद से अधिक निर्यात से हराया जा सकता है। ऐसा कहना आसान है लेकिन इसे अमल में लाना कठिन है क्योंकि सॉफ्टवेयर क्षेत्र में स्पष्ट रूप से मंदी नजर आ रही है। बेशक, भारत की सॉफ्टवेयर सेवाओं के लिए मध्यम से दीर्घकालिक दृष्टिकोण बहुत मजबूत बना हुआ है। उद्योग निकाय नैसकॉम द्वारा ऐसा ही संकेत दिया गया है।

खाद्य मुद्रास्फीति तेल की कीमतों और डॉलर की विनिमय दर में गिरावट के अलावा राजकोषीय घाटे का आकार मुद्रास्फीति की प्रवृत्ति का प्रमुख योगदान है। भारत उच्च घाटे में चल रहा है और राष्ट्रीय ऋण भी बढ़ रहा है। घाटे को नियंत्रित करने के सभी प्रयास व्यर्थ प्रतीत होते हैं। बेशक, महामारी के दौरान घाटे को बढ़ाना पड़ा क्योंकि सरकार को मुफ्त भोजन, सब्सिडी वाले ऋण और पर्याप्त तरलता के रूप में आपातकालीन बचाव उपायों का उपयोग करना पड़ा लेकिन कुछ फैसलों से भौंहें तन सकती हैं। उदाहरण के लिए, 48 महीने से अधिक समय से चल रही मुफ्त खाद्यान्न योजना से सरकारी खजाने पर कुल 4.5 लाख करोड़ रुपये का बोझ पड़ रहा है। कर्ज में डूबी दूरसंचार कंपनी भारत संचार निगम लिमिटेड के लिए मंत्रिमंडल ने हाल ही में 10.7 खरब रुपये के पुनरुद्धार पैकेज की घोषणा की। एक संसदीय प्रश्न के उत्तर के अनुसार पिछले 9 वर्षों में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने लगभग 14.56 लाख करोड़ रुपये के खराब ऋणों को बट्टे खाते में डाल दिया है। इसके राजकोषीय निहितार्थ हैं क्योंकि केंद्र सरकार द्वारा इक्विटी पूंजी बैंकों में डाली जानी है। बट्टे खाते में डालना एक कारक हो सकता है जिससे फंसे कर्ज का अनुपात कम होगा और बैंकिंग क्षेत्र की सेहत सुधरेगी लेकिन इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि राजकोषीय खर्च बहुत बढ़ा हुआ है और मुद्रास्फीति का दबाव बढ़ रहा है।

भारत की राजकोषीय स्थिति स्वीकार की गई स्थिति से कहीं अधिक गंभीर है। यदि हम ऋण सेवा अनुपात की तुलना करते हैं यानी सरकार के राजस्व का कितना हिस्सा कर्ज के बढ़ते पहाड़ जैसे ब्याज का भुगतान करने के लिए जाता है तो हम पाते हैं कि भारत का औसत सभी देशों के औसत से ऊपर है। उच्च घाटे के कारण ब्याज दर भी उच्च बनी रहती है जिससे आवास, अचल संपत्ति और वास्तव में सभी औद्योगिक परियोजनाओं जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को नुकसान होता है। एक निश्चित सीमा को पार करने को अवैध बनाने की कोशिश करके भारत ने घाटे के खर्च की प्रवृत्ति को कम करने के बहुत प्रयास किए हैं। 2003 में संसद द्वारा पारित राजकोषीय उत्तरदायित्व कानून ने राजकोषीय घाटे की सीमा के रूप में सकल घरेलू उत्पाद के 3 प्रतिशत से अधिक को अवैध बना दिया। फिर भी, हकीकत यह है कि ऐसा एक वर्ष भी नहीं है जब भारत ने इस सीमा को पार नहीं किया है। इसका नतीजा यह है कि राजकोषीय जवाबदेही एवं बजट प्रबंधन कानून (फिस्कल रिस्पॉन्सिबिलिटी एंड बजट मैनेजमेंट लॉ- एफआरबीएम) दंतहीन हो गया है। महामारी से ठीक पहले कानून की समीक्षा की गई थी और इसका भी कोई खास फायदा नहीं है क्योंकि कर्ज और घाटे का स्तर अर्थव्यवस्था के लिए निर्धारित स्वस्थ स्तर से कहीं अधिक है।

यह सच है कि हंगामाखेज और प्रतिस्पर्धी लोकतंत्र में मुखर समूहों और निहित स्वार्थों द्वारा अधिक खर्च करने की मांग की जा रही है। इसके शीर्ष पर मुफ्त की पेशकश करने की बढ़ती प्रवृत्ति है। इसके अलावा नई औद्योगिक नीति भी है जो उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन और आयात से सुरक्षा जैसी योजनाएं प्रदान करती है। अच्छे हों या बुरे हों, इन सभी उपायों के राजकोषीय निहितार्थ हैं जो न केवल ऋण और राजकोषीय रुख की स्थिरता को खतरे में डालते हैं बल्कि मुद्रास्फीति के दबाव को भी बढ़ाते हैं। भारत के बारहमासी राजकोषीय प्रभुत्व और बोझ के बड़े और भारी वजन को केवल मौद्रिक नीति को कड़ा करके घटाया नहीं जा सकता है। यहां तक कि यह भी सहनशीलता दिखा रहा है। भारत के लिए मुद्रास्फीति की लड़ाई वास्तव में बहुत कठिन है।

(लेखक प्रसिद्ध अर्थशास्त्री हैं। सिंडिकेट : दी बिलियन प्रेस)

बेतवा- पार्वती अंचल

सार-समाचार

जनपद पंचायत कार्यालय में महिला जनप्रतिनिधियों का किया सम्मान

सिरोंज, देशबन्धु। जनपद पंचायत कार्यालय में संचार सत्कर्म समिति द्वारा महिला आरक्षण विधेयक दोनों सदनों में पारित होने पर समिति ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित कर उपस्थित महिला जनप्रतिनिधि जनपद अध्यक्ष पुष्पाबाई यादव, उपाध्यक्ष शषि शर्मा आदि का पगड़ी पहनाकर गुलदस्ता भेंटकर सम्मान किया गया। इस दौरान सभापति कलेक्टर सिंह यादव, उजागर सिंह यादव, आफरीन मंसूरी, हमीर सिंह यादव आदि मौजूद थें।

लोकतंत्र बचाओ पदयात्रा नगर आई

सिरोंज, देशबन्धु। लटेरी के ग्राम ताजपुरा से शुरू की गई युवा कांग्रेस नेता एवं पूर्व एनएसयूआई लटेरी के पदाधिकारी आदिवासी नेता सुनील कुमार आदिवासी के नेतृत्व में भोपाल तक विदिशा जिले से होकर लोकतंत्र बचाओ पदयात्रा शुक्रवार दोपहर नगर आई। नवीन बसस्टैंड पर ऊदल सिंह बघेल, अशोक यादव, मिर्जा हारून बेग आदि कांग्रेस नेताओं ने पदयात्रा में शामिल युवाओं का हारफूल मालाएं पहनाकर स्वागत किया। इसके बाद ग्राम पथरिया तक पदयात्रा में शामिल होकर विदाई दी गई।

कृषि उपज मंडी मे नीलामी शुरू

भेरुन्दा/नसरुल्लगंज, देशबन्धु। ग्रेन मर्चेंट व्यापारी एसोसिएशन द्वारा हड़ताल वापस लिये जाने तथा संयुक्त संघर्ष मोर्चा मध्य प्रदेश मंडी बोर्ड भोपाल द्वारा कर्मचारी की हड़ताल समाप्त कर दिए जाने से मंडी प्रांगण से शुक्रवार से समस्त कृषि उपजों का नीलामी कार्य सुचारू रूप से संपन्न हो गया। अब मंडी प्रांगण में किसान अपनी कृषि उपज विक्रय हेतु ला सकते है। 23 सितंबर को चतुर्थ शनिवार, बैंक अवकाश व 24 सितंबर को रविवार साप्ताहिक अवकाश होने से मंडी प्रांगण में नीलामी का अवकाश रहेगा।

कुरैशी बने जिला अध्यक्ष

सिरोंज, देशबन्धु। मप्र एनएसयूआई के सोशल मीडिया विभाग जिला अध्यक्षों के नाम की घोषणा कर दी गई है। गुरूवार शाम एनएसयूआई के प्रदेश सोशल मिडिया अध्यक्ष अंकुर बटरी ने की सूची जारी की। इसमें विदिशा जिला अध्यक्ष समीर कुरैशी को बनाया है। इस नियुक्ति पर पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ, आशुतोष चौकसे, प्रदेश मीडिया अध्यक्ष अंकुर बटरी, जिला प्रशांत यादव का आभार व्यक्त किया है।

स्वास्थ्य मंत्री ने नकतरा में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन का किया भूमिपूजन

स्वास्थ्य सेवाओं और सुविधाओं का किया जा रहा विस्तार: डॉ. चौधरी

ग्राम नांद और परवरिया में उप स्वास्थ्य केन्द्र भवनों का भी किया भूमिपूजन

रायसेन, देशबन्धु। स्वास्थ्य मंत्री डॉ प्रभुराम चौधरी द्वारा शुक्रवार को सांची विधानसभा के ग्राम नांद में 75.16 लाख रुपए लागत से बनने वाले उप स्वास्थ्य केंद्र भवन का भूमिपूजन किया गया। इसके उपरांत स्वास्थ्य मंत्री द्वारा ग्राम नकतरा में 295.45 लाख रुपए लागत से बनने वाले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भवन और ग्राम परवरिया में 71.16 लाख रुपए लागत से बनने वाले उप स्वास्थ्य केंद्र भवन का भूमिपूजन किया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों में स्वास्थ्य मंत्री डॉ चौधरी ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि मरीजों को त्वरित और समुचित इलाज मिले, उन्हें अधिक दूर ना जाना पड़े इसके लिए लगातार स्वास्थ्य सेवाओं तथा सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। गॉव-गॉव में स्वास्थ्य केन्द्रों का जाल बिछाया जा रहा है। अब ग्रामीणों को गॉव में ही अनेक प्रकार की जांच और दवाएं नि:शुल्क मिल रही हैं। उन्होंने आयुष्मान भारत योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार द्वारा आयुष्मान कार्डधारी व्यक्ति निजी अस्पतालों में एक साल में पांच लाख रू तक का नि:शुल्क इलाज करा सकते हैं।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा महिला सशक्तिकरण के लिए जून माह से लाड़ली बहना योजना प्रारंभ की गई है। पहले योजना के तहत लाड़ली बहनों को हर महीने एक-एक हजार रू की राशि प्रदान की जा रही थी और अब 1250 हजार रू प्रतिमाह प्रदान किए जा रहे हैं। आगे चलकर लाड़ली बहनों को तीन हजार रू प्रतिमाह की राशि प्रदान की जाएगी। उन्होंने मुख्यमंत्री लाड़ली बहना आवास योजना, सीखो-कमाओ योजना, मुख्यमंत्री चरण पादुका योजना सहित अनेक योजनाओं का भी उल्लेख किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्री यशवंत मीणा सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, सीएमएचओ डॉ दिनेश खत्री सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

कपड़े सूखने डालते करंट से युवक की मौत, दूसरा घायल

सिरोंज, देशबन्धु। करंट लगने से एक युवक की मौत हो गई जबकि दूसरा उसको बचाने के चक्कर में घायल हो गया। जानकारी के अनुसार कस्बातालपानी की टंकी का निर्माण हुआ है। इसी के पास समर्सिबल पम्प और रूम है। इसमें नरेंद्र राजपूत काम कर रहा था। बारिश के कारण कपड़े गीले हो गए तो एक लोहे के तार पर सुखाने के लिये डाल दिये। इस तार से समर्सिबल पम्प के लाइट के वायर कही से टच हो गए और तार में करंट फ़ैल गया। जैसे ही नरेंद्र ने कपड़े इस तार पर डाले बिजली का तेज करंट लगा और मौके पर ही नरेंद्र की मौत हो गई। 30 वर्षीय नरेंद्र पास के ही इमलानी ग्राम का रहने वाला था। घटनास्थल पर शानू भी मौजूद था, उसने नरेंद्र को करंट लगते देखा तो बचाने दौड़ा जिससे वह भी करंट की चपेट में आ गया। शानू खतरे से बाहर है, उसका इलाज सिरोंज के शासकीय अस्पताल में चल रहा है। पथरिया थाना प्रभारी के के पवार ने बताया कि मर्ग कायम कर लिया है। मृतक नरेंद्र का पीएम सिरोंज के शासकीय अस्पताल में करवाने आये है।

पीसीपीएनडीटी कार्य समिति की बैठक 25 को

रायसेन, देशबन्धु। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिला स्तरीय पीसीपीएनडीटी कार्य समिति की बैठक 25 सितम्बर को आयोजित की गई है। यह बैठक 25 सितम्बर को दोपहर 03 बजे मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय रायसेन में आयोजित की गई है।

मतदाताओं को बताई जा रही है ईवीएम से मतदान करने की प्रक्रिया

रायसेन, देशबन्धु। आगामी विधानसभा निर्वाचन-2023 में जिले में शत-प्रतिशत मतदान हेतु कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अरविंद दुबे के निर्देशानुसार जिले में विभिन्न मतदाता जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। साथ ही मतदान केन्द्रों तथा सार्वजनिक स्थलों पर ईवीएम, वीवीपैट का प्रदर्शन कर मतदाताओं को वोट डालने की प्रक्रिया बताई जा रही है। इसी क्रम में कलेक्ट्रेट कार्यालय में ईवीएम, वीवीपैट का प्रदर्शन किया जा रहा है तथा यहां आने वाले नागरिकों कों मतदान करने की प्रक्रिया समझाते हुए विधानसभा निर्वाचन-2023 में अनिवार्य रूप से मतदान करने के लिए प्रेरित भी किया जा रहा है।

देर रात्रि तक दी मनमोहक प्रस्तुतियां

गणेश जन्मोत्सव समारोह में हुई कींगड़ी गायन की प्रस्तुति

सिरोंज, देशबन्धु। श्री गणेश मंदिर गणेश की अथाई में चल रहे दस दिवसीय गणेश जन्मोत्सव समारोह में केवट समाज द्वारा देर रात्रि तक क्षेत्रीय लोककला एवं नृत्यों पर आधारित कींगड़ी गायन की प्रस्तुति दी गई। इस अवसर सर्वसेवा केवट समाज के प्रमुख परमानंद केवट एवं रामप्रसाद केवट की मंडली के कलाकारों ने आकर्षक नृत्यों के आधार पर धार्मिक एवं क्षेत्रीय गीतों ढिमरायाई की मनोरम प्रस्तुति दी। इस अवसर पर कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना के साथ हुआ। देर रात्रि तक चले इस कार्यक्रम में केवट के समाज कलाकारों ने अपने देशी वाद्ययंत्र सारंगी, खंजड़ी, बांसुरी आदि के द्वारा उपस्थित जनसमुदाय का मन मोह लिया। इससे पूर्व समिति सदस्यों ने मंडली के कलाकारों एवं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं जिला पंचायत उपाध्यक्ष दरयाव सिंह कुर्मी एवं अध्यक्षता कर रहे पूर्व जनपद उपाध्यक्ष भैरोसिंह कुमी का पुष्प माला पहनाकर स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन अशोक रावल ने किया। इस समिति अध्यक्ष कृष्णविहारी पांडे, शिवकुमार मिश्रा, राजेन्द्र गर्ग, पदम ताम्रकार, ललितकांत चौरसिया, के साथ ही बड़ी संख्या में समिति सदस्य एवं धर्मप्रेमी बंधु उपस्थित रहे। गणेश जन्मोत्सव समारोह में चल रहे धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों के क्रम में आज दोपहर में श्री अखंड रामायण पाठ प्रारंभ होगा। नगर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की रामायण एवं सुन्दरकांड पाठ मंडलियों द्वारा संगीतमय रामचरित मानस का पाठ किया जावेगा। श्री अखंड रामायण पाठ का समापन रविवार को रात्रि में होगा।

सिहोनियां पुलिस ने घर से बरामद की 32 हजार की अवैध शराब, आरोपी गिरफ्तार

मुरैना, देशबन्धु। जिले की सिहोनियां थाना पुलिस ने शुक्रवार की सुबह घर में छुपाकर रखी गई अवैध शराब की 6 पेटी बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक द्वारा अवैध हथियार, तस्करों, अवैध शराब-मादक पदार्थों की तस्करी एवं बिक्री, ईनामी फरारी बदमाशों एवं स्थायी वारंटियों की धरपकड़ हेतु संपूर्ण मुरैना जिले में चलाए जा रहे अभियान के तहत उनि जयदीप सिंह भदौरिया थाना प्रभारी सिहोनियां को मुखविर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि खडियाहार में एक व्यक्ति अपने घर पर अवैध शराब बेच रहा है। सूचना पर पुलिस ने आरोपी के घर पर पहुँचकर तलाशी ली तो पुलिस को घर के पास बने गोंडा में एक प्लास्टिक की तिरपाल के नीचे 06 पेटी शील बंद, एक पेटी खुली हुई जिसमें 25 क्वाटर देशी प्लेन शराब के बरामद किए। सिहोनियां थाना पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध आबकारी एक्ट का मामला दर्ज किया है। थाना प्रभारी ने बताया कि उक्त आरोपी पर पूर्व के कई अपराध थाना सिहोनियां में दर्ज हैं जिनमें अवैध आर्म्स, मारपीट, अडीबाजी, हरिजन एक्ट के तहत के मामले शामिल हैं।

खाद्य निरीक्षकों ने तीन लोडिंग वाहनों से भरे दूध के सैंपल

मुरैना, देशबन्धु। खाद्य निरीक्षक की टीम ने शुक्रवार की सुबह अंबाह रोड पर लोडिंग वाहन से दूध सप्लाई कर रहे तीन वाहनों को रोककर दूध के सैंपल भरे और जांच हेतु भेज दिए। खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्रीमती कारण सेंगर एवं अनिल परिहार द्वारा ग्राम खुर्द अंबाह रोड मुरैना पर पहुंचकर वहां से जाने वाली दूध गाडियो को रोककर दूध के नमूने तीन गाडियों से लिए गए एवं उन्हें जांच के लिए भेजा, जिन गाडियों से सैंपल भरे गए, उनमें सुनील कुमार शर्मा पुत्र राजकिशोर शर्मा निवासी ग्राम सिरमिती वाहन नंबर एमपी 06 जीए 3634, राहुल सिकरवार पुत्र महेश सिंह सिकरवार निवासी गलेथा वाहन नंबर यूपी 75 एटी 9995, अख्तर खान पुत्र मुन्ना खॉन निवासी अंबाह वाहन नंबर एम 06 जीए1942 गाडियां शामिल हैं जिन पर सैंपलिंग की कार्रवाई की गई।

नगर परिषद के साधारण सम्मेलन में नगर विकास के कई बिंदु स्वीकृत

मुरैना, देशबन्धु। जौरा स्थानीय नगर परिषद की साधारण सम्मेलन का आयोजन अध्यक्ष अखिल माहेश्वरी की अध्यक्षता में किया गया, जिसमें नगर विकास के कई बिंदुओं को मंजूरी दी गई। शुक्रवार को नगर परिषद कार्यालय में आयोजित निकाय के साधारण सम्मेलन में शासन निर्देश पालन में प्रतिदिन की जाने वाली स्थाई दखल बाजार वसूली को समाप्त कर वार्षिक अर्धवार्षिक वसूली राशि निर्धारित कर वसूली किए जाने के प्रकरण को स्वीकृति प्रदान की गई। इसी प्रकार बिंदु क्रमांक 2 ठोस अपशिष्ट प्रबंधन उपभोक्ता प्रभार एवं बड़ी हुई जलकर की दरों के प्रकरण को आगामी बैठक में रखने का निर्णय लिया गया। शहर के एमएस रोड पर सौंदरीकरण हेतु डिवाइडरों पर विद्युत पोल में स्ट्रीट लाइट के लगवाने की भी स्वीकृति परिषद द्वारा दी गई। इसी प्रकार विशेष निधि अंतर्गत प्रस्तावित कार्यों के प्रकरण को भी सर्वसम्मति से स्वीकृत किया गया। नगरी अधोसंरचना विकास निधि अंतर्गत वार्ड 9 एवं वार्ड 18 में एमएस रोड हायर सेकेंडरी स्कूल के पास से गौरीशंकर वेयरहाउस के पास तक आरसीसी कवर्ड नाला निर्माण के प्रकरण को भी स्वीकृत किया गया। निकाय में अनुपयोगी सभी प्रकार के कबाड़ को खुली बोली द्वारा नीलामी प्रकरण की भी स्वीकृति दी गई। नगर के वार्ड क्रमांक 4, 5 तथा 15 में एमएस रोड से पुरानी सब्जी मंडी के पास तक इस्लामपुर रोड का चौड़ीकरण प्रकरण को भी मंजूर किया गया। इसके अलावा नगर विकास जनहित के अन्य बिंदुओं को भी सर्वसम्मति से मंजूरी दी गई। बैठक में अध्यक्ष अखिल महेश्वरी, सीएमओ ऋषिकेश शर्मा, विधायक प्रतिनिधि राजकुमार गर्ग सहित 18 में से 14 पार्षद उपस्थित रहे।

रजक समाज ने अनुसूचित जाति में शामिल करने की को मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

गंजबासौदा, देशबन्धु। रजत समाज ने अनुसूचित जाति में शामिल करने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन विधायक लेना जैन को सौंपा। ज्ञापन में कहा गया है कि देश में एक विधान एक संविधान प्रचलित है फिर मध्यप्रदेश में रजक धोबी जाति के साथ दोहरापन क्यों अपनाया जा रहा है। भारत सरकार द्वारा प्रकाशित भारत का राजपत्र भाग 1 सोमवार 22 सितम्बर 1976 को मिनिस्ट्री आफ ला जसिटस एंड कंपनी अफेयर्स द्वारा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन जाति आदेश प्रकाशित किया गया है। उक्त संविधान संशोधन के अनुसार किसी प्रदेश के एक जिले में कोई जाति अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन जाति के अंतर्गत आती है तो उसे सम्पूर्ण प्रदेश में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन जाति के अन्दर समाविष्ट कर लिया जावेगा, का संशोधन किया गया है और गजट नोटिफिकेशन के अंतर्गत अनुक्रमांक 30 पर धोबी जाति का भी उल्लेख है । इसी आदेश के परिप्रेक्ष्य में राजस्थान सरकार द्वारा आदेश पारित कर सम्पूर्ण राजस्थान में अन्य जातियों के साथ अनुसूचित जाति में सम्मिलित कर लिया गया है, और राजस्थान में सम्पूर्ण रजक धोबी समाज इसका लाभ प्राप्त कर रही है।

किन्तु मध्यप्रदेश के तीन जिले रायसेन, सीहोर और भोपाल में धोबी जाति अनुसूचित जाति में 1950 के पूर्व से शामिल है फिर भी उक्त 1976 के संशोधन के आधार पर रजक धोबी समाज को सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में अनुसूचित जाति का दर्जा नही दिया जा रहा है। ज्ञापन में कहा गया है कि रजक धोबी जाति जो लोगों के गंदे कपड़ो को धोकर अपना जीवन यापन करता है और गांवों में आज भी असप्रश्यता से जूझ रहा है। रजक धोबी जाति के सर्वांगीण विकास हेतु मध्यप्रदेश शासन को उक्त 1976 के संशोधन के आधार पर सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में रजक धोबी जाति को अनुसूचित जाति में शामिल किये जाने हेतु भारत सरकार के राजपत्र का पालन किया जाए।

वन अमले ने जप्त की अवैध सागौन

सिरोंज, देशबन्धु। शुक्रवार की शाम वन विभाग अमले 2 गाड़ियों में भरकर ले जाई जा रही अवैध सागौन की लकड़ी जप्त की। एसडीओ फारेस्ट ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर महू ग्राम में छापामार कार्रवाई की थी। महू के सरवर मियां के घर से 30 से 40 नग सागौन की लकड़ी जप्त हुई। उसके घर से 200-300 मीटर दूर जंगल से भी लगभग इतनी ही सागौन की लकड़ी जप्त हुई है। इस जप्त लकड़ी की कीमत 30 से 40 हजार बताई गई है। आरोपी को वनकर्मियों ने गिरफ्त में ले लिया है और पूछताछ की जा रही है।

विधानसभा चुनाव: कलेक्ट्रेट कार्यालय में कंट्रोल रूम स्थापित

रायसेन, देशबन्धु। विधानसभा आम निर्वाचन-2023 के अंतर्गत निर्वाचन कार्य में सूचनाओं के आदान-प्रदान तथा निरंतरता हेतु कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अरविंद दुबे के आदेशानुसार कलेक्ट्रेट कार्यालय कम्पोजिट भवन में कक्ष क्रमांक-48 में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। जिसका दूरभाष क्रमांक 07482-299310 है। आमजनों की सुविधा हेतु भारत निर्वाचन शाखा में डिस्ट्रिक्ट कॉन्टेक्ट सेंटर भी स्थापित किया गया है, जिसका टोल फ्री नम्बर 18002339272 तथा 1950 है।

कलेक्टर दुबे द्वारा डिस्ट्रिक्ट कॉन्टेक्ट सेंटर तथा कंट्रोल रूम में अधिकारियों, कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। नियुक्त अधिकारी, कर्मचारी कंट्रोल रूम प्रभारी के द्वारा सूचित किए जाने पर तत्काल कर्तव्य स्थल पर उपस्थित रहेंगे। संबंधित कर्मचारी प्रभारी अधिकारी से अनुमति लेकर ही डिस्ट्रिक्ट कॉन्टेक्ट सेंटर तथा कंट्रोल रूम छोड़ेंगे। डिस्ट्रिक्ट कॉन्टेक्ट सेंटर तथा कंट्रोल रूम का नोडल अधिकारी जिला संस्थागत वित्त अधिकारी खिलान सिंह यादव को बनाया गया है। साथ ही जिला प्रबंधक ई-गर्वनेंस सोसायटी धर्मेन्द्र नायक तथा जिला प्रबंधक लोक सेवा गारंटी रवि चंदेल को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है। इनके अतिरिक्त जिला आयुष कार्यालय के बहुउद्देशीय कार्यकर्ता मुकेश लारिया को सहायक बनाया गया है।

डिस्ट्रिक्ट कॉन्टेक्ट सेंटर तथा कंट्रोल रूम में प्रात: 06 बजे से दोपहर 02 बजे तक महिला बाल विकास विभाग के संरक्षण अधिकारी दिनेश मालवीय को प्रभारी बनाया गया है। इसी प्रकार दोपहर 02 बजे से रात्रि 10 बजे तक के लिए महिला बाल विकास विभाग के संरक्षण अधिकारी राजा वर्मा को तथा रात्रि 10 बजे से सुबह 06 बजे तक के लिए महिला बाल विकास विभाग के सामाजिक कार्यकर्ता श्री मनोज कुमार साहू को प्रभारी बनाया गया है। इनके अतिरिक्त दल गठित करते हुए डिस्ट्रिक्ट कॉन्टेक्ट सेंटर तथा कंट्रोल रूम में कर्मचारियों की दिवसवार ड्यूटी लगाई गई है। गठित दल आदर्श आचार संहिता लागू होते ही कार्य करना प्रारंभ करेंगे। साथ ही 25 सितम्बर को दोपहर 02 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में प्रशिक्षण के लिए अनिवार्य रूप से उपस्थित रहेंगे।

मण्डीदीप आईटीआई में जिला स्तरीय अप्रेन्टिसशिप मेला 25 को

रायसेन, देशबन्धु। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था मंडीदीप ग्राम मेंदुआ भोजपुर रोड रायसेन में 25 सितम्बर को प्रात: 10 बजे से एक दिवसीय प्रधानमंत्री नेशनल अप्रेन्टिशिप मेला आयोजित किया जा रहा है। इस मेले में आईटीआई/डिप्लोमा उत्तीर्ण पुरूष एवं महिला अभ्यर्थी सम्मिलित हो सकते हैं। इस मेले में जिले एवं प्रदेश स्तर की कंपनियों द्वारा अभ्यार्थियों का चयन कर प्रतिमाह स्टाइपेन्ड एवं अन्य सुविधाएं प्राप्त होंगी। इस मेले में प्रॉक्टर एंड गैंबल , सागर यार्न्स तामोट, आयशर एवं अन्य प्रतिष्ठान शामिल होंगे। इच्छुक व्यक्ति आयोजन के दिन निर्धारित स्थान पर (शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था मंडीदीप) पर अपने समस्त मूल प्रमाण-पत्रों एवं बायोडाटा सहित 25 सितम्बर प्रात: 10 साक्षात्कार हेतु उपस्थित होंगे। अप्रेन्टिशिप हेतु भर्ती अप्रेन्टिसशिप नियमों एवं कंपनियों के शर्तो के अनुसार की जाएगी। प्रधानमंत्री नेशनल अप्रेन्टिशिप मेला में प्रतिभागिता हेतु यात्रा भत्ता देय नहीं होगा।

जिले में अब तक 1114.2 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

रायसेन, देशबन्धु। जिले में 01 जून 2023 से 22 सितम्बर 2023 तक 1114.2 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है जो कि गत वर्ष इसी अवधि में हुई औसत वर्षा से 444.5 मिलीमीटर कम है। जिले की वर्षा ऋतु में सामान्य औसत वर्षा 1197.1 मिलीमीटर है। अधीक्षक भू-अभिलेख द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार 01 जून 2023 से 22 सितम्बर 2023 तक जिले के वर्षामापी केन्द्र रायसेन में 894.6 मिलीमीटर, गैरतगंज में 1287.2, बेगमगंज में 1141.5, सिलवानी में 1000.6, गौहरगंज में 850, बरेली में 1506.8 उदयपुरा में 1308, बाड़ी में 976.5, सुल्तानपुर में 933.3 तथा वर्षामापी केन्द्र देवरी में 1243 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।

ताप्ती तीरे

सार समाचार

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के वयोवृद्ध पुत्र ने भेंट किया पौधा

मुलताई, देशबन्धु। नगर के गायत्री नगर निवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के वयोवृद्ध पुत्र सुभाषकांत खन्ना को शुक्रवार अनुसया सेवा सगंठन के युवाओं ने शमी का पौधा भेंट किया। अनुसया सेवा संगठन द्वारा विगत कई वर्षों से पर्यावरण संरक्षण के लिए हर शुभ कार्यों पर पौधा भेंट कर पौधो को पालने का संकल्प दिलाया जाता है, जिसका नतीजा यह है की नगर सहित आस पास हजारों की संख्या में पेड़ लग चुके है जिससे पर्यावरण हरा भरा दिखाई देने लगा है। अनुसया सेवा संगठन के कृष्णा साहु, देव साहु, पिंटू खन्ना, रितेश मोनू साहु, दुर्गेश यादव, सुमित साहु एवम् चिंटू खन्ना ने बताया की शुक्रवार स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के पुत्र वयोवृद्ध सुभाष कांत खन्ना के 75 वें जन्मदिन के अवसर पर उन्हें शमी का पौधा संगठन की ओर से भेंट किया गया और उनके हाथों से पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का नारा बुलंद किया गया।

नपाध्यक्ष को सौपा ज्ञापन

सारनी, देशबन्धु। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के ब्लॉक अध्यक्ष शेख अख्तर के नेतृत्व में मुस्लिम समाज के लोगों ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी के नाम नगर पालिका अध्यक्ष किशोर बरदे को शुक्रवार को ज्ञापन सौंप कर जमामस्जिद सारनी के सामने एवं साप्ताहिक बाजार के मुख्य मार्ग के दोनों तरफ पेविंग ब्लैक लगाने की मांग की है। अल्पसंख्यक विभाग के सारनी ब्लॉक अध्यक्ष शेख अख्तर ने बताया कि बारिश के मौसम में साप्ताहिक बाजार एवं मस्जिद आवागमन करने में कीचड़ हो जाता है। इस अवसर पर अन्ना खान,राजा खान,आलू खान,गोलू खान,विशाल रोटियां,शादब शेख,काजू खान,शानू खान,सोनू खान,मुकेश साहू,सलमान खान सहित अन्य लोग ज्ञापन देते समय उपस्थित रहे।

3 दिवसीय गणेशोत्सव का हुआ समापन

हरदा, देशबन्धु। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी बावीसा ब्राह्मण समाज द्वारा तीन दिवसीय गणेशोत्सव का आयोजन प्रताप कॉलोनी स्थित समाज के मांगलिक भवन में किया गया। समाज के अध्यक्ष नवीन पांडे ने बताया कि प्रथम दिन मंगलवार को भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा की विधि विधान से स्थापना की गई। गणेशोत्सव के दौरान पूजन आरती के साथ धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किये गए जिसमें बड़ी संख्या में समाज के लोगों ने शामिल होकर उत्साह पूर्वक हिस्सा लिया। उत्सव के अंतिम दिन गुरुवार शाम को गणेश प्रतिमा का विसर्जन कर गणेशोत्सव का समापन हुआ। इस दौरान बड़ी संख्या में सामाजिक बंधु उपस्थित रहे।

शर्मा बने कांग्रेस विधि एवं मानवाधिकार विभाग के जिला अध्यक्ष

हरदा, देशबन्धु। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ के निर्देशानुसार मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के विधि एवं मानवाधिकार विभाग के प्रदेश अध्यक्ष शशांक शेखर ने जिला प्रभारी अवधेश सिसोदिया की सहमति से जिला कांग्रेस अध्यक्ष ओम पटेल की अनुशंसा पर पवन शर्मा को विधि एवं मानवाधिकार विभाग मे जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। नियुक्ति पर जिला कांग्रेस कार्यालय में पवन शर्मा का पुष्पहार पहनाकर स्वागत किया उन्हें बधाइयाँ प्रेषित की। पवन शर्मा ने कहा कि पार्टी की रीति नीति पर चलते हुए संगठन को और मजबूत करेंगे तथा आगामी विधानसभा चुनाव मे सक्रियता से अपने दायित्व का निर्वहन करेंगे। इस दौरान जिला कांग्रेस अध्यक्ष ओम पटेल, पूर्व विधायक डॉ आर के दोगने, अधिवक्तागण हेमंत टाले, अनिल दुबे, आदित्य गार्गव, आमिर पटेल, गगन अग्रवाल, हरिमोहन शर्मा,शेख अशफाक, रामफूल भदौरिया, शैलेन्द्र जोशी, महेश मालवीय, रामकृष्ण गुर्जर, सुखराम बामने, अमृत देवड़ा, लखन बामने, दिनेश मालवीय, मुकेश भाटी, मथुरा प्रसाद मोरे, अजय सिंह राजपूत आदि ने बधाई दी।

साइखेड़ा में स्क्रब टायफस का मरीज मिलने से स्वास्थ्य अमला अलर्ट

बीमारी की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य दल का गठन, अब मुलताई अस्पताल में भी हो सकेगी जांच

मुलताई, देशबन्धु। क्षेत्र में गंभीर बीमारी स्क्रब टायफस के मरीजों की संख्या निरंतर बढ़ती जा रही है, लेकिन अभी तक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में जांच नहीं होने के कारण शासकीय अस्पताल के माध्यम से स्क्रब टायफस के मरीजों की पुष्टि नहीं हो पा रही थी। अब मुलताई क्षेत्र के साइखेड़ा में स्क्रब टायफस का मरीज मिलने के बाद स्वास्थ्य अमला अलर्ट पर है। बीएमओ डॉ. अभिनव शुक्ला ने एक मरीज मिलने की पुष्टि की है।

जिला अस्पताल के डॉक्टर परिहार के मार्गदर्शन में स्क्रब टायफस की जांच के लिए टीम गठित की है। जिसका नेतृत्व मुलताई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के ब्लॉक स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अभिनव शुक्ला करेंगे। डॉ. शुक्ला ने साइखेड़ा में मिले स्क्रब टायफस के मरीज के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि ग्राम साइखेड़ा के एक मरीज ने स्क्रब टायफस की जांच बंसल हॉस्पिटल भोपाल में कराई थी। जिसकी रिपोर्ट पॉजीटिव पाई गई है। जिला अस्पताल ने इस रिपोर्ट को मुलताई स्वास्थ्य केंद्र में भेजा था। इसके बाद स्वास्थ्य कर्मचारियों का अमला क्षेत्र में सर्च कर रहा है। तेज बुखार होने पर लक्षणों के आधार पर सैंपल लिए जा रहे हैं। स्क्रब टायफस की जांच किट भी शासन से मुलताई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को उपलब्ध हो गई है। अब सभी संभावित मरीजों की स्क्रब टायफस की जांच मुलताई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में हो सकेगी।

अब तक निजी अस्पतालों में ही सामने आ रहे थे स्क्रब टायफस के मरीज: क्षेत्र में अब तक निजी अस्पतालों में ही स्क्रब टायफस के मरीज सामने आ रहे थे और इनकी बढ़ती संख्या चिंता का विषय थी। अगस्त से अब तक कि अगर बात करें तो नगर के दो प्रमुख निजी अस्पतालों में स्क्रब टायफस के मरीजों की संख्या 40 के पार थी किंतु शासकीय स्वास्थ्य केंद्र में इसकी जांच की व्यवस्था न होने के कारण शासकीय स्तर पर इन मरीजों की पुष्टि नहीं हो सकी थी। किंतु अब शासकीय अस्पताल में जांच किट उपलब्ध होने पर यह बीमारी की गंभीरता सामने आ सकेगी और अब ऐसे संभावित मरीजों की जांच भी हो सकेगी।

इनका कहना है

साइखेड़ा मे स्क्रब टायफस का मरीज मिलने की पुष्टि हुई है। स्वास्थ्य दल का गठन किया गया है । अब इसकी जांच मुलताई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भी हो सकेगी।

डॉ. अभिनव शुक्ला,ब्लॉक स्वास्थ्य अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुलताई

छात्रा के लापता होने का मामला

आदिवासी कन्या आश्रम छात्रावास की अधीक्षिका और भृत्य निलंबित

आठनेर, देशबन्धु। नगर में स्थित आदिवासी कन्या आश्रम छात्रावास की चौथी कक्षा की छात्रा बुधवार रात से छात्रावास भवन से अचानक लापता हुई थी। मामले में कार्यालय जनजातीय सहायक आयुक्त ने आदिवासी कन्या आश्रम छात्रावास की उचित देखभाल नहीं करने के मामले में अधीक्षिका कविता चिल्हाटे और भृत्य हेमराज साहू को निलंबित कर दिया है। शिक्षा अधिकारी आरपी गिहारे ने शुक्रवार को इस मामले में बताया कि जिला कलेक्टर के आदेश के बाद कार्रवाई की है। गंभीर मामलों में उचित कार्रवाई करने थानाप्रभारी आठनेर की प्रमुख भूमिका रही। आश्रम में निवासरत छात्रों की उचित देखभाल नहीं करना भी प्रमुख कारण रहा है। आश्रम छात्रावास भवन में सुरक्षा में चूक होने की वजह से चौथी कक्षा की मासूम छात्रा बुधवार रात से लापता थी। पुलिस की मदद से मासूम छात्रा को जामठी के पास ढूंढ निकाला था। पूरे मामले में अधीक्षिका की लापरवाही उजागर हुई ह।

इनका कहना है।

मामले की गंभीरता देख अधीक्षिका और भृत्य को निलंबित करने आदेश जारी किए हैं। वैकल्पिक व्यवस्था बनाई जा रही है।

आरपी गिहारे, शिक्षा अधिकारी कार्यालय आठनेर

गणेशोत्सव की धूम, लोगों का मन मोह रही आकर्षक प्रतिमाएं

मुलताई, देशबन्धु। मां ताप्ती की पवित्र नगरी मुलताई में गणेश उत्सव बड़े ही हर्ष, उल्लास और धूमधाम के साथ मनाया जा रहा है। जहां एक तरफ नगर के प्रमुख स्थानों पर सार्वजनिक गणेश उत्सव मंडलों द्वारा भगवान गणेश की स्थापना की गई है। वही नगर में घरों घर भगवान गणपति गजानन की प्रतिमा बिठाकर आराधना की जा रही है। मुलताई नगर के बजरंग दल चौक पर स्थित गगन बारस्कर के घर बैठे भगवान गणेश की प्रतिमा और आकर्षक साज सजा लोगों का मन मोह रही है। जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में गणेश भक्त आ रहे हैं। ताप्ती ब्रिगेड के युवा साथी गगन बारस्कर ने बताया कि उनके द्वारा विगत कई वर्षों से गणेश जी की स्थापना की जा रही है। पर्यावरण संरक्षण का ध्यान रखते हुए वे हर वर्ग मिट्टी के गणेश प्रतिमा स्थापित करते हैं।

महाराष्ट्रीयन परिवारों ने विराजित की महालक्ष्मी

बैतूल, देशबन्धु। जिले सहित आसपास के क्षेत्रों में महाराष्ट्रीयन परिवारों में महालक्ष्मी माता की स्थापना कल सप्तमी तिथि पर की गई। पंडित हेमन्त पात्रीकर ने बताया कि महाराष्ट्रीयन परिवारों में भद्र पक्ष की सप्तमी तिथि में महालक्ष्मी की स्थापना की जाती है। महाराष्ट्र में महालक्ष्मी पूजन का विशेष महत्व होता है। जिले के भी मराठी भाषी परिवारों में महालक्ष्मी की स्थापना की जाती है। पंडित हेमन्त पात्रीकर ने बताया कि मान्यता है कि महाराष्ट्र के कोल्हापुर से महालक्ष्मी जी ढाई दिन के लिए अपने मायके आती है। दूसरे दिन अष्टमी तिथि पर महालक्ष्मी माता का विशेष पूजन शोडो उपचार पद्धति से किया जाता है। इस पूजन में महालक्ष्मी का पूजन अभिषेक किया जाता है। नवमी तिथि पर महालक्ष्मी के दर्शन आम लोगों को कराया जाता है। जिला मुख्यालय सहित आसपास के अधिकतर मराठी भाषी परिवारों में महालक्ष्मी जी विराजमान होती है ।

बैंक अधिकारियों ने स्व सहायता समूह की महिलाओं से की चर्चा

सारनी, देशबन्धु। औपचारिक प्रणाली की तकनीकी और प्रशासनिक क्षमता वित्तीय संसाधनों के साथ औपचारिक ऋण प्रणाली के अनुरूप लचीली समृद्धि और समय अनुकूल निर्धनों की क्रेडिट आवश्यकताओं को पूरा करना है। यह बात यूनियन बैंक के भोपाल के क्षेत्रीय महाप्रबंधक देवेंद्र चौबे ने ग्राम भारती महिला मंडल के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए व्यक्त कि। उन्होंने बताया की यूनियन बैंक ऑफ़ इंडिया का स्वसहायता समूह लोन वंचितों को वित्तीय रूप से मजबूती प्रदान करता है। समूह की उत्पादकता बढ़ाने तथा भविष्य की उभरती जरूरत को पूर्ण करने के लिए इस लाभ को समूह की महिलाओं या व्यक्तिगत तौर पर महिलाओं को दिया जाएगा। ग्राम भारती महिला मंडल शोभापुर में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के भोपाल से क्षेत्रीय अधिकारी पहुंचे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि यूनियन बैंक ऑफ इंडिया भोपाल के क्षेत्रीय महाप्रबंधक देवेंद्र चौबे,उप महाप्रबंधक कुंजन एवं शाखा प्रबंधक बगड़ोना के अजय कुमार उपस्थित थे ।उक्त कार्यक्रम औपचारिक बैठक द्वारा स्व-सहायता समूह की महिलाओं से विशेष चर्चा की गई ।बैंकरो और शहरी व ग्रामीण जनता के बीच आपसी विश्वास का वातावरण बनाना है एवं वित्तीय संस्थाएं समाज के जिन वर्गों तक नहीं पहुंच पाती है ।समाज के उन वर्गों में बचत की आदत और ऋण की सुविधा के प्रयोग को प्रोत्साहित करना है ।इस प्रक्रिया का माध्यम बैंक समूह से वार्ता करके अदायगी अवधि तय करेगा जो 3 से 5 साल तक हो सकती है।

ताप्ती मंदिर की दान पेटी खुली, 4 लाख से अधिक के नोट और 1 लाख के सिक्के निकले

मुलताई, देशबन्धु। नगर के मां ताप्ती मंदिर ट्रस्ट की शुक्रवार दोपहर में बैठक का आयोजन किया गया। जिसमे करीब चार महीने बाद ताप्ती मंदिर की दान पेटी को खोला गया। इसके पहले ताप्ती जन्मोत्सव के पहले दान पेटी को खोला गया था। शुक्रवार खोली गई दान पेटी में 4,14,800 के नोट और करीब 1 लाख रुपए की सिक्के प्राप्त हुए है। मां ताप्ती मंदिर ट्रस्ट के ट्रस्टी चिंटू खन्ना, राजू पाटनकर, सौरभ जोशी, अनिल पंडाग्रे, अजय यादव, अजय शिवहरे एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी राजकुमार इवनाती, नपा कर्मी मनोज सोनी इस अवसर पर उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि 5 के नोट से लेकर 500 और 2000 के नोटो की गिनती की गई। जिसमें से कुल 4,14,800 और करीब एक लाख रुपए के सिक्के निकले हैं।

रेलवे स्टेशन के टिकिट काउंटर के पास मृत मिली महिला

बैतूल, देशबन्धु। रेलवे स्टेशन परिसर में एक अज्ञात महिला का शव मिलने के बाद स्टेशन प्रबंधन और जीआरपी सक्रिय हो गई। टिकिट काउंटर के पास शव होने सूचना पर जीआरपी पुलिस मौके पर पहुंची जहां एक महिला मृत अवस्था मे पड़ी हुई थी।

जीआरपी ने शव पोष्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा और मृतका की शिनाख्ती के प्रयास शुरू किए। जीआरपी चौकी प्रभारी रबिश यादव ने बताया कि सुबह स्टेशन प्रबंधक द्वारा दी गई सूचना मिली थी। टिकिट काउंटर के पास एक महिला पड़ी हुई थी, जांच के बाद पाया गया कि लगभग 55 वर्ष आयु की इस महिला की मौत हो चुकी है।

उक्त महिला भीख मांगकर अपना गुजारा करती थी। अकसर रेलवे स्टेशन के आस पास ही दिखाई देती थी। महिला कौन है, कहां की रहने वाली है इसका पता लगाया जा रहा है। यदि महिला की शिनाख्ती हो जाती है तो शव उसके परिजनों को सौंपा जाएगा। यदि शिनाख्ती नहीं होती है तो जीआरपी द्वारा ही उसके अन्तिम संस्कार की व्यवस्था की जाएगी।

स्व सहायता समूहों और रसोइया संघ की अनिश्चितकालीन हड़ताल 25 से

सीईओ, बीआरसी और महिला बाल विकास को सौंपा ज्ञापन

मुलताई, देशबन्धु। प्रांतीय महिला स्व सहायता समूह महासंघ की रसोइया बहनों ने शुक्रवार को जनपद पंचायत के सीईओ, बीआरसी,महिला बाल विकास अधिकारी मुलताई को ज्ञापन सौपकर 12 सूत्रीय मांगे पुरी नही होने पर 25 सितंबर से हड़ताल पर जाने की चेतावनी दी है। प्रांतीय महिला स्व सहायता समूह महासंघ की स्व सहायता समूहों एवं रसोइया बहनों द्वारा 12 सूत्रीय मांगों को लेकर अगस्त माह में अनिश्चितकालीन चूल्हा बंद आंदोलन किया था ।शासन द्वारा मांगों के निराकरण का आश्वासन देने के बाद चूल्हा बंद अनिश्चितकालीन हडताल स्थगित की गई थी ।लेकिन सभी मांगे पूरी नही होने के कारण पुन:25 सितंबर से हड़ताल पर जाने का निर्णय लिया गया है। ज्ञापन में बताया कि वर्तमान में पीओएस मशीन में फिंगर से स्व सहायता समूह को खाद्यान्न प्राप्त होता है, जिसमें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कभी फिंगर ना लगना और कभी पीओएस मशीन बंद हो जाती है,कभी सर्वर डाउन हो जाता है, जिसके कारण बार-बार उचित मूल्य दुकान में जाना पड़ रहा है। वहीं आवंटन जारी होने के बाद भी समय से खाद्यान्न नहीं पहुंचता है। जिससे 60त्न स्व सहायता समूहों का खाद्यान लेप्स होने की भी समस्या उत्पन्न होती है। ज्ञापन में पूर्व की तरह पत्रक के द्वारा खाद्यान्न देने की मांग की है।आगामी 25 सितंबर तक मांगे पूरी ना होने पर प्रांतीय महिला स्व सहायता समूह महासंघ से जुड़ी लाखो महिला बहनों द्वारा जल सत्याग्रह किया जायेगा ।ज्ञापन सौंपने वालों में जिला मीडिया प्रभारी जितेंद्र कापसे, जिला सचिव रूपा उपराले,ब्लॉक अध्यक्ष लक्ष्मी नागले,प्रमिला गोहे,पुष्पा लिखितकर,आशा हुरमाडे,सविता मोरले,रीता नागले, माया उपराले ,रेखा बिहारे,निर्मला उईके, चंदा उईके प्रमुख है।

छात्र-छात्राओं के सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ कॉलेज में युवा उत्सव का समापन

बलिदान और संघर्ष से मिली है आजादी: सिंह

सारनी, देशबन्धु। जिस आजादी को हम जी रहे है वह हमें पुरखों के बलिदान और संघर्ष से मिली है। यह बात जन भागीदारी अध्यक्ष कमलेश सिंह ने शुक्रवार को शासकीय महाविद्यालय प्रांगण बगडोना में युवा उत्सव कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने अपने छात्र जीवन के संस्मरण सुनाते हुए भारत को आजादी कैसे मिली और उन शहीदों के नाम से छात्रों और स्टाफ को परिचित कराया जिनके नाम इतिहास में गुम है। उन्होंने कहा कि पाठ्य पुस्तक क्रम में भी बैतूल जिले के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और आंदोलनकारी के नाम लेखांकित नहीं किए गए हैं इसको लेकर भी उनके माध्यम से प्रशासनिक स्तर पर नाम जुड़वाने को लेकर कार्य किया जा रहा है जिसमें जल्द ही सफलता मिलने की संभावना व्यक्त की है। इस मौके पर प्राचार्य डॉ. प्रमिला बाधावा ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में महाविद्यालय में चल रही विभिन्न गतिविधियों अध्ययन-अध्यापन,नवाचार एवं हिन्दी दिवस और आजादी का अमृत महोत्सव तथा भविष्य की योजनाओं से सभी को परिचित कराया,उन्होंने छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रदीप पंद्राम ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को अध्ययन के साथ-साथ विभिन्न सांस्कृतिक और साहित्यिक कार्यक्रम में भाग लेना चाहिए जिससे उनका सर्वांगीण विकास संभव हो सके। कार्यक्रम में छात्रों ने विभिन्न प्रकार की सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये जिसमें एकल नृत्य, समूह नृत्य, एकल गायन, समूह गायन आदि प्रमुख रहे। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के ग्रंथपाल डॉ.भीमराव भुरसे ने किया और कार्यक्रम में आए विद्यार्थी अतिथि अभिभावकों का आभार प्रदर्शन युवा उत्सव प्रभारी डॉ.रश्मि रजकने किया।

सार समाचार

दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग प्रदाय करने शिविरों का आयोजन

नर्मदापुरम देशबन्धु। एडिप योजनांतर्गत जिले के दिव्यांगजनो को कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण प्रदाय करने के लिए सामग्री वितरण शिविरो का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने इस संबंध में समस्त मुख्य कार्यपालन अधिकारियो जनपद पंचायत, समस्त मुख्य नगर पालिका अधिकारियों एवं समस्त समग्र सामाजिक सुरक्षा विस्तार अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे शिवर में चयनित शत प्रतिशत दिव्यांगजनो जिन्हें सहायक उपकरण एवं कृत्रिम अंग प्रदाय किये जाना है उन्हें शिविर स्थल पर समस्त दस्तावेजों के साथ उपस्थित कराना सुनिश्चित करे। शिविर 24 सितम्बर को जय स्तंभ चौक इटारसी में, 26 सितम्बर को जनपद पंचायत प्रांगण सिवनीमालवा में, 27 सितम्बर को शहीद भगत सिंह महाविद्यालय पिपरिया में एवं 29 सितम्बर को मंगल भवन नगर पंचायत सोहागपुर तथा जनपद पंचायत प्रांगण माखननगर में प्रात: 11 बजे से सायं 6 बजे तक आयोजित किये जायेंगे।

जिले में प्रतिभा योजना के क्रियान्वयन के निर्देश, आवेदन करने की अंतिम तिथि 30

नर्मदापुरम देशबन्धु। जिले में प्रतिभा योजना का क्रियान्वयन किये जाने के निर्देश जारी किये गये है। इस योजना में पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 30 सितंबर निर्धारित की गई है। एमपीटास पोर्टल के माध्यम से प्रतिभा योजना को विकेन्द्रीकृत किया गया है । योजनान्तर्गत विद्यार्थियों के प्रोत्साहन राशि का वितरण जिला स्तर से किया जायेगा। जिले स्तर पर की जाने वाली प्रक्रिया के तहत आवेदक द्वारा एमपीटास पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन किया जाएगा। जनजाति कार्य विभाग ने बताया कि प्रतिभा योजना में आवेदक के द्वारा आनलाइन आवेदन करने के पश्चात स्वीकृति के लिए डाटा लाभार्थी के मूल जिले के जिला अधिकारी के लॉगिन में प्रदर्शित होगा जिला अधिकारी परीक्षण पश्चात उसे अनुमोदित कर आनलाईन स्वीकृति आदेश एवं भुगतान की प्रक्रिया की जाएगी। प्रक्रिया पूर्णत: आनलाईन होगी। वर्ष 2022-23 के पश्चात् किसी भी पाठयक्रम के लिये प्रतिभा प्रोत्साहन राशि प्राप्त किये जाने के लिए ऑफलाइन आवेदन स्वीकार नहीं किये जा सकेगे। योजना में पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 30 सितम्बर 2023 है। प्रतिभा योजना-अनुसूचित जनजाति वर्ग के कक्षा 12वीं उत्तीर्ण विद्यार्थियों का राष्ट्रीय प्रतियोगी प्रवेश परीक्षाओं के माध्यम से प्रतिष्ठित संस्थाओं में प्रवेश के लिए चयन होने पर पुरस्कार राशि दी जाती है। आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा स्वीकृत प्रतिभा योजना में विभागीय संस्थाओं के विद्यार्थियों के स्थान पर प्रदेश के सभी अनुसूचित जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों को सम्मिलित किया गया है। राष्ट्रीय प्रतियोगी प्रवेश परीक्षाओं के माध्यम से जेईई, से आईआईटी कॉलेज एवं एनआईटी कॉलेज, एम्स महाविद्यालय, एनडीए, क्लैट से एनएलआईयू, नीट से मेडिकल कॉलेज प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश के लिए चयन होने पर पुरस्कार राशि दी जाती है योजना का विस्तृत विवरण ऑनलाइन एमपी ट्रांसपोर्ट पर सर्च कर किया जा सकता है। राष्ट्रीय प्रतियोगी प्रवेश परीक्षाओं के माध्यम से प्रतिष्ठित संस्थाओं में प्रवेश के लिए चयन होने पर पुरस्कार राशि दी जाती है। आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा स्वीकृत प्रतिभा योजना में विभागीय संस्थाओं के विद्यार्थियों के स्थान पर प्रदेश के सभी अनुसूचित जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों को सम्मिलित किया गया है। मध्यप्रदेश का मूलनिवासी हो। योजनातंर्गत पात्रता के लिए अभ्यार्थी के माता-पिता, पालकों, स्वयं के समस्त स्रोतों से वार्षिक आय रूपये 6 लाख से अधिक न हो।

सोलह दिन की हड़ताल के बाद मंडी में काम शुरु, मूंग बेची

इटारसी देशबन्धु। कृषि उपज मंडी परिसर में करीब सोलह दिन बाद आज से विधिवत काम प्रारंभ हो गया है। यहां करीब 16 दिन व्यापारी हड़ताल पर रहे वहीं चार दिन अधिकारी-कर्मचारियों ने हड़ताल की। दोनों ही हड़ताल खत्म होने के बाद आज मंडी में मूंग की आवक हुई और करीब 50 क्विंटल मूंग की खरीद की गई।

बता दें कि मंडी कारोबारियों ने मप्र सकल अनाज दलहन तिलहन व्यापारी महासंघ के बैनर तले मंडी शुल्क घटाने सहित 11 सूत्री मांग लेकर पूरे राज्य में तालाबंदी करके 4 सितंबर से बेमियादी हड़ताल प्रारंभ कर दी थी। इसी बीच मंडी के अधिकारी-कर्मचारियों ने 18 सितंबर से हड़ताल प्रारंभ की और चार दिन उनकी हड़ताल भी रही। 21 सितंबर की शाम को हड़ताल खत्म करने की घोषणा हुई और शुक्रवार से मंडियों में कामकाज पुन: प्रारंभ हुआ।

सोमवार से आवक की उम्मीद

मंडी में हड़ताल खत्म होने के बाद आज कुछ मात्रा में मंडी परिसर में किसान मूंग लेकर आये थे। हड़ताल खत्म होने की सूचना सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से किसानों तक पहुंच गयी थी, अत: आज कुछ किसान मूंग लेकर मंडी पहुंच गये थे। हालांकि ज्यादातर व्यापारियों का कहना रहा कि केवल एक दिन के लिए खरीद करने की अपेक्षा सोमवार से ही अधिक आवक आने पर खरीद करेंगे। शनिवार और रविवार मंडी में अवकाश रहेगा। सोमवार से ही मंडी कारोबारी अपने कामकाज पर लौटेंगे।

ये थीं मांगें

मंडी समितियों में पहले से आवंटित जमीन या संपत्तियों पर 'भूमि एवं संरचना आवंटन नियम 2009' कानून को लागू नहीं करने, कलेक्टर गाइडलाइन से लीज दरों का निर्धारण करने के बजाय इसे मामूली दरों पर निर्धारित करने की मांग भी शामिल है। मंडी व्यवस्था से निराश्रित शुल्क को समाप्त करने की मांग को प्रमुखता से उठाया गया है। मंडी कारोबारियों ने सरकार से मंडी कानून की धारा 19(2), धारा 19(8), धारा 46(ड) एवं धारा 46(च) में संशोधन कर इन प्रावधानों को खत्म करने की मांग की, मंडी कारोबारियों की अन्य मांगों में लाइसेंस गारंटी की अनिवार्यता को खत्म करने, मंडी कारोबार स जुड़ी अनुज्ञप्ति व्यवस्था एवं निर्धारण फीस में 25 हजार रुपये के इजाफे को वापस लेकर इसे पहले की तरह 5 हजार रुपये करने, मंडी समितियों के कानूनी अधिकारों को यथावत रखने और अकाउंट ऑडिट को दो बार कराने की जरूरत को खत्म करने की मांग भी शामिल है।

इनका कहना है

सरकार ने मंडी टैक्स 1.70 से 1.20 कर दिया है। लीज रिनूवल भी 2005 की गाइड लाइन के मुताबिक करने को कहा है। आज मंडी में बहुत कम अनाज आया है, सोमवार से ही आवक में बढ़ोतरी होने की संभावना है।

शैलेष ओसवाल, मंडी कारोबारी

आज से मंडी में विधिवत कामकाज प्रारंभ हो गया है। शाम को ही सूचना जारी कर दी थी और आज किसान मूंग लेकर आये तो हमने 50 बोरा मूंग आज बेची है।

केसी बामलिया
प्रभारी सचिव

जलस्तर बढ़ने से तवा बांध के 3 गेट खोले

इटारसी देशबन्धु। तवा बांध में जलस्तर निर्धारित क्षमता से अधिक होने पर अब तक एक गेट तीन फिट तक खोलकर पानी छोड़ा जा रहा था, अब गेट की संख्या 3 और ऊंचाई 5 फिट कर दी है। इन गेटों से 748 क्यूमेक्स पानी तवा नदी में छोड़ा जा रहा है, हालांकि इससे नर्मदा नदी के जलस्तर में कोई बड़ा अंतर नहीं आयेगा।तवा बांध प्रबंधन के अनुसार जलस्तर 1166.4 फिट है, जबकि इसे 1166 फिट रहना चाहिए। बीते चौबीस घंटे में तवा के कैचमेंट एरिया में 2.40 मिमी बारिश हुई जबकि बैतूल में 38.4 मिमी पानी बरसा है। बैतूल की बारिश और कैचमेंट एरिया की बारिश से बांध के जलस्तर में इजाफा हो रहा है, इसलिए बांध के गेट खोलकर पानी छोड़ा जा रहा है। इसके अलावा पावर हाउस को भी 102 क्यूमक पानी दिया जा रहा है।

एक नजर प्रदेश की वर्षा पर

मलाजखंड 99.2 मिमी, भोपाल 69.4 मिमी, खरगोन 50 मिमी, बैतूल 38.4 मिमी, मंडला 23 मिमी, भोपाल सिटी 21.8 मिमी, शिवपुरी 20.2 मिमी, उमरिया 18.4 मिमी, सीधी 13.8 मिमी, जबलपुर 11.2 मिमी, छिंदवाड़ा 7.4 मिमी, ग्वालियर 6.8 मिमी, सिवनी 5.8 मिमी, रायसेन 3.4 मिमी, खंडवा 3 मिमी, नरसिंहपुर 2 मिमी, पचमढ़ी 1.8, इंदौर 0.1 और सतना में 0.4 मिमी वर्षा हुई है।

निर्वाचन व्यय निगरानी के लिए मानक दरों के निर्धारण के लिए बैठक 27 को

नर्मदापुरम देशबन्धु। आगामी विधानसभा निर्वाचन 2023 को दृष्टिगत रखते हुए निर्वाचन व्यय निगरानी के लिए मानक दरों के निर्धारण के लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नीरज कुमार सिंह की अध्यक्षता में 27 सितम्बर को सायं 5 बजे कलेक्ट्रेट कार्यालय के रेवा सभाकक्ष में बैठक आयोजित की गई है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने उक्त जानकारी देते हुए समस्त राजनैतिक दलो के पदाधिकारियों से अनुरोध किया है कि वे स्वयं अथवा अधिकृत प्रतिनिधि बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित होना सुनिश्चित करें ताकि बैठक में मानक दरों पर सर्वसम्मति से विचार-विमर्श किया जा सके।

लोक सेवा केन्द्र कर्मचारी संघ ने कलेक्टर के नाम दिया मांगों का ज्ञापन

इटारसी देशबन्धु। लोक सेवा केन्द्र कर्मचारी संघ ने कलेक्टर को ज्ञापन देकर कर्मचारियों ने अपनी समस्या सुनाई। संघ ने कलेक्टर एवं श्रम विभाग के नाम ज्ञापन दिया।लोक सेवा केन्द्र कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष सचिन केवट एवं प्रदेश कर्मचारी संघ के सह मंत्री उत्तम यादव, भारतीय मजदूर संघ के जिला मंत्री भी मौजूद रहे। इस अवसर पर संगठन की ओर से कर्मचारियों की समस्याओं से संबंधित समस्याओं पर निकरण करवाने का आग्रह किया। जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कहार ने बताया कि लोक सेवा केंद्र के कर्मचारियों को श्रम विभाग के अनुसार कलेक्टर दर से प्रति माह भुगतान किया जाए, वेतन भुगतान ऑनलाइन सीधे कर्मचारियों के खाते में दिया जाए, साथ ही लोक सेवा केंद्र के कर्मचारियों को निविदा उपरांत भी पूर्व से कार्यरत कर्मचारियों को किसी उचित कारण के काम से निकाला न जाए जैसी मांगें ज्ञापन में शामिल हैं।इस दौरान लोक सेवा केंद्र कर्मचारी संघ जिला अध्यक्ष सचिन केवट, उपाध्यक्ष हेमंत मेवाड़े, कोषाध्यक्ष आनंद कहार, महामंत्री राजेश चौरे, जिला मीडिया दिलीप कहार, सह मंत्री मदन कुशवाहा, सह मंत्री पंकज चौरसिया, रूपेश कुमार रघुवंशी, राजेश खुराना, अखिलेश नागवंशी, करन यादव, संजू यादव, राजू केवट, अंजनि खेमरे, वर्षा मांझी, रीना सैलुकर, संदीप यादव, अस्मिता विश्वकर्मा, जायरा कुरैशी, अभिलाष वर्मा, राखी गौर, अमित सोनी, राहुल यादव सहित समस्त सदस्य की उपस्थिति रही।

आधा दर्जन स्टेशनों पर चलाया किला बंदी टिकट चेकिंग अभियान

नर्मदापुरम देशबन्धु। वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक रश्मि बघेल के निर्देशन में शुक्रवार को भोपाल मंडल के भोपाल, इटारसी, हरदा, विदिशा, बीना एवं गुना स्टेशन पर किला बंदी टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। टिकट चेकिंग स्टाफ एवं आरपीएफ स्टाफ के सहयोग से स्टेशनों के बाहर निकलने वाले रास्ते की घेराबंदी की गई, ताकि कोई भी यात्री बिना जाँच के स्टेशन के बाहर न जा सकें।

सुबह 6 बजे से दोपहर 2 बजे तक चलाये गए इस किला बन्दी टिकट चेकिंग अभियान के दौरान भोपाल स्टेशन पर आने-जाने वाली 32 गाड़ियों के यात्रियों की टिकट जांच के दौरान बिना, अनुचित टिकट एवं बिना बुक किये समान लेकर यात्रा करने वाले कुल 150 यात्रियों से रुपये 83840 रुपए बतौर जुर्माना एवं किराया वसूल किया गया, साथ ही यात्रियों को उचित टिकट लेकर ही यात्रा करने की समझाईश दी गई। इटारसी स्टेशन पर आने-जाने वाली 17 गाड़ियों के यात्रियों के टिकट की जांच के दौरान बिना टिकट, अनुचित टिकट एवं बिना बुक किये सामान लेकर यात्रा करने वाले यात्रियों के पकड़े गए कुल 218 मामलों से कुल रुपये 137120 रुपए बतौर जुर्माना एवं किराया वसूल किया गया। हरदा स्टेशन पर आने-जाने वाली 7 गाड़ियों के यात्रियों की टिकट जांच के दौरान बिना टिकट, अनुचित टिकट एवं बिना बुक किये सामान लेकर यात्रा करने वाले यात्रियों के पकड़े गए कुल 130 मामलों से कुल रुपये 72130 रुपए बतौर जुर्माना एवं किराया वसूल किया गया। विदिशा स्टेशन पर आने-जाने वाली 13 गाड़ियों के यात्रियों की टिकट जांच के दौरान बिना टिकट, अनुचित टिकट एवं बिना बुक किये सामान लेकर यात्रा करने वाले यात्रियों के पकड़े गए कुल 127 मामलों से कुल रुपये 42985 रुपए बतौर जुर्माना एवं किराया वसूल किया गया। बीना स्टेशन पर आने-जाने वाली 16 गाड़ियों के यात्रियों की टिकट जांच के दौरान बिना टिकट, अनुचित टिकट एवं बिना बुक किये सामान लेकर यात्रा करने वाले यात्रियों के पकड़े गए कुल 142 मामलों से कुल रुपये 70320 रुपए जुर्माना एवं किराया वसूल किया गया।

वहीं गुना स्टेशन पर आने-जाने वाली 9 गाड़ियों के यात्रियों की टिकट जांच के दौरान बिना टिकट, अनुचित टिकट एवं बिना बुक किये सामान लेकर यात्रा करने वाले यात्रियों के पकड़े गए कुल 71 मामलों से कुल रुपये 27235 रुपए जुर्माना एवं किराया

वसूल किया गया। वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक रश्मि बघेल नें यात्रियों से अपील की है कि उचित टिकट लेकर ही यात्रा करें, प्रतिक्षा सूची ई-टिकट पर यात्रा करने की अनुमति नहीं है। इसी प्रकार प्लेटफॉर्म टिकट भी यात्रा के लिए अनुमत नहीं है। अत: प्रतीक्षा सूची ई-टिकट अथवा प्लेटफॉर्म टिकट लेकर यात्रा न करें। स्टेशन प्लेटफॉर्म पर प्रवेश के लिए यात्रा टिकट या प्लेटफॉर्म टिकट होना आवश्यक है। यात्रा से पूर्व अपने सामान को बुक कराएं, ताकि यात्रा के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो।

विकास गणेश उत्सव समिति के गणेश महोत्सव के गौरवशाली 32 वर्ष

इटारसी देशबनधु। नगर में खासकर युवा वर्ग में गणेश महोत्सव को लेकर काफी उत्सुकता देखी जा रही है। 32 साल पहले जो युवा थे, वह अब बुजुर्ग हो रहे हैं और उनके बच्चों ने गणेश महोत्सव के दायित्व को संभालने का कार्य प्रारंभ कर दिया है। संस्था के संस्थापक सदस्य अब नई उम्र के युवाओं का मार्गदर्शन कर रहे हैं। विकास गणेश उत्सव समिति का गणेश महोत्सव इटारसी शहर में प्रतिष्ठा प्राप्त आयोजन है तथा दूर-दूर से यहां पर गणेश प्रतिमा की झांकी देखने के लिए श्रद्धालु आते हैं। इस वर्ष भी तीन दिवसीय आयोजन रखे गए हैं, जिसमें 23 सितंबर शनिवार को नृत्य एवं गायन प्रतियोगिता, 24 सितंबर रविवार को महा आरती एवं प्रसादी वितरण और मां के बेटे जागरण ग्रुप का भजनों का कार्यक्रम, 25 सितंबर सोमवार को खाटू श्याम जी का कीर्तन होगा। 28 सितंबर गुरुवार को विशाल शोभा यात्रा बाजार के मुख्य मार्गों से निकल जाएगी एवं विसर्जन नर्मदा नदी नर्मदापुरम में किया जाएगा। महाराष्ट्र के ढोल और धमाल, जोरदार आतिशबाजी एवं आकर्षक विसर्जन की शोभायात्रा रहेगी जिसमें सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे।

विकास गणेश उत्सव समिति में हितेश बाबू अग्रवाल, गौरव साहू गोल्डी, पुनीत सोनी, हरिओम सोनी, रिषि राज भारद्वाज कानू, सौरभ अग्रवाल, अनूप जैन जो संस्था की स्थापना के समय से जुड़े हैं, अब नई पीढ़ी के युवा वर्ग को आयोजन करने के लिए मार्गदर्शन में सहयोग दे रहे हैं। युवा पीढ़ी में मीतेश जैन, लोकेश साह, अभिषेक धारगा, प्रज्ञान साहू, आदित्य अग्रवाल, अनुज साहू, बासु राठौड़, कुश जैसवाल, वियोम अग्रवाल शामिल हैं।

सूर्ययात्रा का मध्यांतर आज, मौसम दे साथ तो कर लें साक्षात्कार

- शनिवार 23 सितंबर दोपहर होगी खास खगोलीय घटना
- कल शनिवार को सूर्य होगा भूमध्यरेखा के ठीक लंबवत

इटारसी देशबनधु। शनिवार 23 सितंबर को दोपहर 12 बजकर 20 मिनट पर सूर्य की किरणें भूमध्यरेखा के ऊपर लंबवत होने जा रही हैं। इसमें सूर्य पृथ्वी की भूमध्यरेखा के ठीक ऊपर महसूस होगा। नेशनल अवार्ड प्राप्त विज्ञान प्रसारक सारिका घारू ने बताया कि पृथ्वी के मध्य भाग में सूर्य के पहुंचते दिखने की खगोलीय घटना इक्वीनॉक्स कहलाती है, यह 21 मार्च के बाद यह इस साल का दूसरा इक्वीनॉक्स होगा। सारिका ने बताया कि यह दिन भर चलने वाली घटना नहीं है। भारत में यह घटना दोपहर 12 बजकर 20 मिनट पर होगी। इसके बाद सूर्य दक्षिण में मकर रेखा की ओर बढ़ता दिखेगा। किसी भी स्थान के लिये यह समय आम तौर पर पिछले साल की तुलना में 6 घंटे बढ़ जाता है। 2022 में यह भारत में प्रात: 6 बजकर 28 मिनट पर हुआ था। सारिका ने बताया कि यह सितंबर इक्वीनॉक्स की यह घटना 22, 23 या 24 सितंबर को होती है। लेकिन इस सदी के अंत में सन 2092 और 2096 में यह 21 सितंबर को होगा। इसी प्रकार 24 सितंबर को यह पिछली बार 1931 को हुआ था अब यह 2303 में होगा। सारिका ने बताया कि सबसे महत्वपूर्ण यह है कि इक्वीनॉक्स में दिन और रात ठीक बराबर नहीं होते हैं। दिन और रात बराबर होने की घटना उत्तरी गोलार्ध में इसके कुछ दिन बाद होती है इसे इक्वीलक्स कहते हैं। यह उस स्थान के अंक्षाश पर निर्भर करती है कि कब दिन और रात बराबर होंगे। तो अगर मौसम दे साथ तो कर लें सूर्ययात्रा के मध्यातंर से साक्षात्कार।

मुख्यमंत्री ने किया राज्य स्तरीय रोजगार दिवस का शुभारंभ, कहा-

उद्योगों का केन्द्र बनने जा रहा उज्जैन

- 71 हजार से ज्यादा को मिलेगा रोजगार, 3 लाख जुड़ेंगे स्वरोजगार से
- 15 एमएसएमई क्लस्टर व 307 इकाईयों का हुआ भूमिपूजन
- 1708 इकाईयों का हुआ लोकार्पण
- जल्द होगा उज्जैन में मेडिकल कॉलेज का भूमि पूजन

भोपाल, देशबन्धु। अध्यात्म का केंद्र उज्जैन अब उद्योगों का केंद्र भी बनने जा रहा है। उज्जैन की विक्रम उद्योगपुरी में एक के बाद एक उद्योग स्थापित हो रहे हैं, जिससे पूरी अर्थ व्यवस्था ही बदल गई है। होटल, रेस्टोरेंट, प्रसादी और पूजन सामग्री आदि की मांग निरंतर बढ़ रही है। आय के नए स्रोत विकसित हो रहे हैं। उज्जैन में 3 हजार करोड़ रुपया अतिरिक्त आने वाला है। जिससे 71 हजार से ज्यादा को रोजगार मिलेगा और करीब 3 लाख युवा स्वरोजगार से जुड़ेंगे। यह बात आज मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राज्य स्तरीय रोजगार मेले का शुभारंभ करते हुए कही।

उन्होंने कहा कि उज्जैन विकास के पथ पर बढ़ गया है, यह शहर वैभव से सम्पन्न होगा। बड़ी संख्या में काम-धंधे आरंभ होंगे। मेडिकल कॉलेज का भूमिपूजन भी जल्दी होगा। श्री चौहान ने कहा कि उज्जैन धर्म, आराधना और तपस्या का बड़ा केंद्र है, उज्जैन में विकास के काम निरंतर जारी रहेगा, यहां महाकाल महालोक के दूसरे चरण का लोकार्पण भी होगा।

श्री चौहान ने रोजगार दिवस पर 15 एमएसएमई क्लस्टर का भूमिपूजन और लोकार्पण किया। उन्होंने बताया कि इन क्लस्टरों में 1 हजार 937 करोड़ निवेश से 552 इकाईयों की स्थापना से लगभग 28 हजार से ज्यादा को रोजगार मिल सकेगा। जबकि 932 करोड़ 22 लाख निवेश वाली 1708 इकाईयों से करीब 16 हजार से ज्यादा को रोजगार मिलेगा। साथ ही प्रदेश की 307 औद्योगिक इकाईयों का भूमिपूजन भी किया गया, 556 करोड़ से ज्यादा के निवेश वाली इन इकाईयों से 6 हजार से ज्यादा लोगों को रोजगार प्राप्त हो सकेगा। वहीं श्री चौहान ने 554 करोड़ से ज्यादा की लागत के 9 नवीन विकास कार्यों का भूमि पूजन तथा 159 करोड़ 99 लाख से होने वाले 7 विकास कार्यों का लोकार्पण किया। इसके तहत महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध प्रबंधन समिति के 5 सौ करोड़ की लागत से बनने वाले भक्त निवास और 17 करोड़ की लागत से निर्मित होने वाले सुविधा केन्द्र का भूमिपूजन शामिल है। इसके अलावा भूमिपूजन कार्यक्रम के तहत ग्राम नीमनवासा में 1.33 हेक्टर क्षेत्रफल में विकसित होने वाले प्लास्टिक क्लस्टर तथा खाचरोद तहसील स्थित औद्योगिक क्षेत्र फर्ना खेड़ी में 58 इकाइयों का भूमिपूजन तथा 10 करोड़ लागत की सीपी पेंटस, 50 करोड़ की श्री पैकर्स प्रा.लि और 45 करोड़ की आरिबा फूड्स प्रा. लि. का लोकार्पण भी किया गया, जिनमें करीब 4 सौ लोगों को रोजगार मिलेगा। इसके अलावा मेघदूत पार्किंग और संभागीय आईटीआई का लोकार्पण भी किया। मुख्यमंत्री ने अत्याधुनिक सुविधायुक्त श्री महाकालेश्वर मंदिर भक्त निवास के नाम और लोगो का विमोचन भी किया। कार्यक्रम में भक्त निवास और सुविधा केन्द्र पर केन्द्रित 2 लघु फिल्में भी दिखाई गईं।

इस दौरान उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव, सूक्ष्म, लघु मध्यम उद्यम मंत्री ओम प्रकाश सखलेचा, सांसद अनिल फिरोजिया, विधायक बहादुर सिंह, महापौर मुकेश टटवाल, पूर्व मंत्री पारस जैन तथा जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने की कार्यकर्ता महाकुंभ की तैयारियों की समीक्षा

प्रधानमंत्री कार्यकर्ता महाकुंभ को करेंगे संबोधित

भोपाल, देशबन्धु। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती पर 25 सितम्बर को जंबूरी मैदान में होने वाले कार्यकर्ता महाकुंभ की तैयारियों की मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने समीक्षा की। साथ ही उन्होंने आवश्यक दिशा-निर्देश भी कार्यकर्ताओं को दिए। इस कायकर्ता महाकुंभ का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पार्टी द्वारा आयोजित कार्यकर्ता महाकुंभ भाजपा के विराट स्वरूप का अहसास कराता हैं। जन आशीर्वाद यात्राओं में जनता का उत्साह बताता है कि विधानसभा चुनाव में अब तक का सबसे बड़ा ऐतिहासिक जनादेश भाजपा को मिलेगा। उन्होंने भोपाल के कार्यकर्ताओं द्वारा पार्टी कार्यक्रमों के दौरान की जाने वाली व्यवस्था की तारीफ की। वहीं पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री शर्मा ने कहा कि कार्यकर्ता महाकुंभ को आनंद और उत्साह के वातावरण में सफल बनाना है। प्रदेश भर से भोपाल आने वाले कार्यकर्ताओं के स्वागत के साथ ही सभी सुविधाओं को ध्यान रखना हमारी प्रतिबद्धता है। पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने कहा कि जंबूरी मैदान में पं. दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर होने वाला कार्यकर्ता महाकुंभ रिकॉर्ड बनाने वाला आयोजन है। बैठक का संचालन वरिष्ठ नेता उमाशंकर गुप्ता ने किया।

इस अवसर पर उत्तरप्रदेश सरकार के मंत्री जेपीएस राठौर, प्रदेश के चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग, पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष आलोक शर्मा, श्रीमती सीमा सिंह जादौन, प्रदेश महामंत्री भगवानदास सबनानी, प्रदेश मंत्री लोकेन्द्र पाराशर, विधायक रामेश्वर शर्मा, प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल, प्रदीप त्रिपाठी, महापौर श्रीमती मालती राय, जिला अध्यक्ष सुमित पचौरी, पूर्व विधायक ध्रुवनारायण सिंह, बीडीए अध्यक्ष कृष्णमोहन सोनी, प्रदेश प्रवक्ता मिलन भार्गव एवं एस.एस. उप्पल सहित पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने जंबूरी मैदान में देखी तैयारियां

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 25 सितम्बर को भोपाल में प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर जम्बूरी मैदान में जारी तैयारी का जायजा लिया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने पंडाल, बैठक, स्वच्छता, पार्किंग, आवागमन, भोजन व्यवस्था और प्रदर्शनी स्थल के संबंध में जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रत्येक बिंदु की माइक्रो लेवल पर योजना बनाकर व्यवस्थाएं की जाएं तथा वर्षा की संभावना को देखते हुए गतिविधियों का क्रियान्वयन किया जाए। इस अवसर पर चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग, महापौर श्रीमती मालती राय, सांसद वी.डी. शर्मा,विधायक रामेश्वर शर्मा, पूर्व मंत्री उमाशंकर गुप्ता, पूर्व महापौर आलोक शर्मा, हितानंद शर्मा, सुमित पचौरी उपस्थित थे।

बुधनी पहुंची जन आशीर्वाद यात्रा में केन्द्रीय मंत्री तोमर ने कहा-

दो तिहाई बहुमत से बनेगी भाजपा सरकार

सीहोर, देशबन्धु। केन्द्रीय मंत्री एवं प्रदेश चुनाव प्रबंधन समिति के प्रदेश संयोजक नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि भाजपा की सरकार जन सेवा का काम करती है और चुनाव से पहले जनता का आशीर्वाद लेने के लिए जन आशीर्वाद यात्रा निकालती है। उन्होंने कहा कि यात्रा में जनता का अपार समर्थन भाजपा को मिल रहा है। जो इस बात का प्रमाण है कि आने वाले चुनाव में भाजपा प्रदेश में दो तिहाई बहुमत से सरकार बनाएगी। वह आज जन आशीर्वाद यात्रा के तहत बुधनी में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। नीमच से शुरू हुई जन आशीर्वाद यात्रा शुक्रवार को बुधनी विधानसभा पहुंची।

श्री तोमर ने कहा कि 230 विधानसभा में कोई एक विधानसभा ऐसी होती है जिसका नेता मुख्यमंत्री बन पाता है। बुधनी ने शिवराज जी के रूप में ऐसा नेता दिया जिन्होंने भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री के रूप में मध्यप्रदेश की तस्वीर और तकदीर दोनों बदलने का काम किया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री चौहान ने गांव, गरीब और किसान की चिंता की है। किसानी के मामले में पहले हरियाणा का नाम आता था, मगर आज शिवराज जी के प्रयासों से मध्यप्रदेश कृषि के क्षेत्र में सिरमौर राज्य बना है। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा बनवाई नई संसद के पहले सत्र में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने पर मोहर लगी है। इससे बहनों का सशक्तिकरण होगा। राजनीति के आयाम बदलेंगे और निर्णय प्रक्रिया में बहनों की भागीदारी बढेगी। उन्होंने कहा कि 50 प्रतिशत आबादी कदम से कदम मिलाकर चलेगी तो देश का भला होगा और प्रगति की ओर अग्रसर होगा।

सभा को श्री कार्तिकेय सिंह चौहान ने भी संबोधित किया। मंच पर प्रदेश सरकार के उद्योग मंत्री राज्यवर्द्धन सिंह दत्तीगांव, यात्रा प्रभारी बंशीलाल गुर्जर, सह प्रभारी तेज बहादुर सिंह चौहान, सांसद रमाकांत भार्गव, जिलाध्यक्ष रवि मालवीय, रज्जू भैया, रघुनाथ सिंह भाटी मंचासीन थे। इस दौरान बुधनी में हुए रोड शो में केन्द्रीय मंत्री श्री तोमर, प्रदेश शासन के मंत्री राज्यवर्द्धन सिंह, कार्तिकेय सिंह चौहान रथ पर सवार थे। जगह-जगह यात्रा का पुष्पवर्षा के साथ स्वागत हुआ। बड़ी संख्या में युवा दो पहिया वाहनों पर सवार होकर भारत माता की जय के उदघोष के साथ चल रहे थे। ग्राम पांडाडोर में यात्रा का जगह जगह उत्सवी माहौल देखने को मिला।

कमलनाथ ने पांढुर्ना में किया छत्रपति शिवाजी की प्रतिमा का अनावरण, कहा-

छिंदवाड़ा जिले में विकास कार्यों से हुआ अर्थव्यवस्था में सुधार

छिंदवाड़ा/ भोपाल, देशबन्धु। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा कि मैंने छिंदवाड़ा जिले में सबसे ज्यादा कौशल विकास केन्द्र खुलवाए हैं और मेरी कोशिश रही है कि मैं ज्यादा से ज्यादा लोगों को रोजगार दिलवा सकूं। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने छिंदवाड़ा जिले में केवल आवागमनों के साधनों का विकास नहीं किया, बल्कि विकास कार्यों से क्षेत्र की अर्थव्यवस्था में सुधार हुआ है।

यह बात आज पार्धुना में पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने छत्रपति शिवाजी की प्रतिमा का अनावरण के दौरान कही। उन्होंने स्वर्गीय बाला साहेब ठाकरे के साथ अपने संबंधों को किया याद और कहा कि मुझे पांढुर्णा आकर अपनी जवानी की याद आती है और 40 साल पुराने पांढुर्णा और आज के पांढुरना का अंतर यहां हुए विकास से समझा जा सकता है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि पांढुर्ना में मैंने सड़क से लेकर नेशनल हाईवे, और रेलवे तक हर क्षेत्र में विकास करवाने का प्रयास किया है। कमलनाथ ने कहा कि पांढुर्णा की पहचान संतरे से है। संतरे के किसान अपनी फसल को लेकर परेशान रहते थे। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि मैंने संकल्प लिया कि अपने किसानों की फसल सूखने नहीं दूंगा और उन्होंने यहां कई गाड़ियों के स्टॉपेज करवाने का काम किया।

वहीं कमलनाथ ने कहा कि हम सभी को छत्रपति शिवाजी से सीखना होगा, कैसे संघर्ष किया जाए, कैसे लोकशाही के साथ शिवशाही की स्थापना की जाए। उन्होंने कहा कि आने वाले चुनाव में हमें सतर्क रहना होगा, देशवासियों को प्रदेशवासियों को भाजपा की ध्यान भटकाने की राजनीति समझना होगा। श्री कमलनाथ ने आगे कहा कि भाजपा सरकार में मणिपुर में आदिवासियों को गैर आदिवासियों से लड़वाया जा रहा है। तमिलनाडु में हिंदी का विवाद खड़ा किया जा रहा है। हम सभी को भाजपा की नीतियों से सावधान रहने की जरूरत है। भाजपा जनता का ध्यान महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, किसानो की समस्या जैसे मूल मुद्दों से हटाकर गैर जरूरी बातों में लगाने की कोशिश करेगी। इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री सुनील केदार, प्रदेश कांग्रेस के महामंत्री उज्जवल सिंह ठाकुर जिला कांग्रेस कमेटी छिंदवाड़ा के अध्यक्ष विश्वनाथ ओकटे, शिवसेना के जिला प्रमुख संजय भाऊ इंगोले, नगर पालिका पांढुरना के अध्यक्ष संदीप घाटोड़े आदि उपस्थित रहे।

कमलनाथ को फिर मुख्यमंत्री की कुर्सी पर देखना चाहते हैं : ठाकरे

जनसभा में महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के पुत्र और पूर्व मंत्री आदित्य उद्धव ठाकरे ने कमलनाथ को मध्यप्रदेश का भावी मुख्यमंत्री बताया और कहा कि वह सभी को अपना मानकर मदद करते हैं। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री ने आगे कहा कि छत्रपति शिवाजी की प्रतिमा की वर्षों पुरानी मांग आज पूरी हुई है। आप सभी का ध्यान रखते हैं और मैं और हम सभी कमलनाथ जी को मुख्यमंत्री की कुर्सी पर फिर से देखना चाहते हैं। श्री ठाकरे ने कहा कि आने वाले चुनाव में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, तेलंगाना सभी राज्यों में कांग्रेस की बहुमत की सरकार बनेगी। पूर्व मंत्री ठाकरे ने कहा कि भाजपा सरकार विरोधियों को ईडी, इनकम टैक्स, पुलिस से डराने की कोशिश करती है लेकिन जनता हमारे साथ हैं और हम जनता के साथ हैं।

कांग्रेस की सरकार बनते ही दोगुनी गति से होगा विकास : नकुलनाथ

छिंदवाड़ा के सांसद नकुलनाथ ने सभी को छिंदवाड़ा जिले की जनता की ओर से आदित्य ठाकरे का अभिनंदन एवं स्वागत किया। इसके साथ ही उपस्थित जन समुदाय से छत्रपति शिवाजी के जीवन से प्रेरणा लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि हम सभी का यह दायित्व है कि हम आने वाली पीढियां को शिवाजी महाराज के बारे में बताएं। उनके द्वारा स्थापित आदर्श के बारे में बताएं। उन्होंने पांढुर्णा की जनता से यह वादा किया कि वह आने वाले समय में कांग्रेस पार्टी का साथ दे और कांग्रेस की सरकार बनते ही दोगुनी गति से होगा।

एनडीए में शामिल हुई जनता दल एस

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और जेडीएस नेता एचडी कुमारस्वामी ने नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इसके बाद जनता दल (सेक्युलर) के औपचारिक रूप से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में शामिल होने का एलान किया। बैठक के दौरान भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और गोवा के सीएम प्रमोद सावंत भी मौजूद रहे। नड्डा ने कहा मुझे खुशी है कि जेडीएस ने एनडीए का हिस्सा बनने का फैसला किया है। हम एनडीए में उनका तहे दिल से स्वागत करते हैं। इससे एनडीए और प्रधानमंत्री के विजन 'न्यू इंडिया, स्ट्रॉन्ग इंडिया' को और मजबूती मिलेगी।

अमित शाह व नड्डा की मौजूदगी में कुमारस्वामी ने थामा दामन

हमारी ओर से कोई मांग नहीं : कुमारस्वामी

दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद कुमारस्वामी ने कहा, आज हमने औपचारिक रूप से भाजपा के साथ आने के बारे में चर्चा की। हमने औपचारिक रूप से कुछ मसलों पर बात की है। हमारी ओर से कोई मांग नहीं है। इसके पहले कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता बीएस येदियुरप्पा ने आठ सितम्बर को बताया कि जेडीएस लोकसभा चुनाव भाजपा के साथ मिलकर लड़ेगी। उन्होंने बताया कि गृहमंत्री अमित शाह (जेडीएस) को लोकसभा की 4 सीटें देने पर सहमत हो गए हैं। हालांकि, पहले जेडीएस कर्नाटक की 28 सीटों में से पांच सीटें मांग रही थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पूर्व प्रधानमंत्री और जेडीएस सुप्रीमो एचडी देवेगौड़ा ने इसके पहले अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की। इसमें दोनों पार्टियों के साथ आने पर सहमति बनी थी। जेडीएस कर्नाटक की मांड्या, हासन, बेंगलुरु (ग्रामीण) और चिकबल्लापुर सीट पर चुनाव लड़ना चाहती है। अभी यह पता नहीं चला है कि भाजपा जेडीएस को कौन सी सीटें देने पर राजी हुई है।

बिना किसी भेदभाव के मिले कम दामों में रसोई गैस सिलेंडर

भोपाल, देशबन्धु। एक तरफ बेतहाशा बढ़ती मंहगाई तो दूसरी तरफ बेरोजगारी के कारण आम मध्यमवर्गीय लोगों को अपना घर चलाना मुश्किल हो रहा है। ऐसे में सरकारी योजनाओं के नाम पर भेदभाव जले पर नमक छिड़कने के सामान प्रतीत हो रहा है। सिर्फ उज्जवला योजना की हितग्राहियों बहनों को साढ़े 4 सौ रुपये में सिलेंडर उपलब्ध कराया जाना आम महिलाओं के साथ मजाक से कम नहीं है।

प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता में प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती विभा पटेल ने आज यह आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि बिना किसी भेद-भाव के सभी को कम दाम में सिलेंडर उपलब्ध करवाना चाहिए। श्रीमती पटेल ने आरोप लगाया कि इसका लाभ लाड़ली बहनों को दिलाने के लिए अब तक सरकारी स्तर पर कोई कार्यवाही नहीं हुई है।

श्रीमती पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री ने 450 रुपए में सिलेंडर देने की घोषणा की थी, उसके बाद प्रधानमंत्री ने सिलेंडर पर 2 सौ रुपए कम करने की घोषणा की, इस लिहाज से महिलाओं को रसोई गैस सिलेंडर 250 रुपए में मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर 250 रुपए में सिलेंडर नहीं दे सकते तो झूठ और खोखले वादे क्यों किए, इस बात का जवाब केंद्र और राज्य की दोनों ही सरकारों को देना चाहिए। महिला कांग्रेस की प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री को अगर सचमुच महिलाओं की चिंता है तो वह 3 वर्षों के अनुपात में रसोई गैस सिलेंडर और उसकी सब्सिडी का लाभ महिलाओं के बैंक खाते में पहुंचाते तब सिद्ध होता कि वह बहनों की चिंता करते हैं।

भारत-कनाडा विवाद पर बोली कांग्रेस

कनाडा में भारतीयों की सुरक्षा हो सुनिश्चित

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत-कनाडा राजनयिक विवाद पर कांग्रेस ने प्रतिक्रिया दी है। कांग्रेस ने शुक्रवार को कहा, आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई समझौतों से परे होनी चाहिए। साथ ही, कनाडा में रह रहे भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, कनाडा में तकरीबन 3 लाख से अधिक भारतीय मूल के छात्र पढ़ते हैं। उन सभी की सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए। वे सभी कनाडा के आर्थिक विकास और भारत-कनाडाई संबंधों में योगदान दे रहे हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश से जब राजनयिक विवाद पर सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा, हमारा मानना है कि गहन कूटनीतिक भागीदारी इस संकट का एकमात्र हल है। मुझे यकीन है कि भारत सरकार इसमें शामिल हो रही है।

विवाद के बीच अमेरिका जाएंगे विदेश मंत्री

भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर अमेरिका के दौरे पर रहेंगे। विदेश मंत्री का यह अमेरिका दौरा कनाडा के साथ जारी राजनयिक विवाद के बीच हो रहा है। बता दें कि विदेश मंत्री अमेरिका में संयुक्त राष्ट्र आम सभा के एक सत्र में शिरकत करेंगे। साथ ही वह अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के साथ उच्च स्तरीय बैठक भी करेंगे। विदेश मंत्रालय ने बताया कि कार्यक्रम के अनुसार, विदेश मंत्री एस जयशंकर 26 सितम्बर को संयुक्त राष्ट्र की 78वीं नेशनल जनरल असेंबली के उच्च स्तरीय सत्र को संबोधित करेंगे। साथ ही विदेश मंत्री संयुक्त राष्ट्र में एक विशेष सत्र इंडिया-यूएन फॉर ग्लोबल साउथ का आयोजन करेंगे।

भारतीय खिलाड़ियों में भेदभाव पर भारत ने जताई आपत्ति

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने चीन द्वारा उसके कुछ खिलाड़ियों को 19वें एशियाई खेलों में प्रवेश से वंचित किए जाने पर शुक्रवार को कड़ी आपत्ति व्यक्त की और केंद्रीय खेल एवं युवा कार्य मंत्री अनुराग ठाकुर की चीन यात्रा को रद्द कर दी गई है। विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता अरिंदम बागची ने यहां कुछ भारतीय खिलाड़ियों को 19वें एशियाई खेलों में प्रवेश से वंचित किए जाने पर मीडिया के सवालों के जवाब में कहा भारत सरकार को पता चला है कि चीन के अधिकारियों ने निशाना बनाते हुए और पूर्व-निर्धारित तरीके से अरुणाचल प्रदेश के कुछ भारतीय खिलाड़ियों को चीन के हांगझू में होने वाले 19वें एशियाई खेलों में मान्यता और प्रवेश से वंचित करके उनके साथ भेदभाव किया है।

अभिषेक बनर्जी को कलकत्ता हाईकोर्ट से राहत

कोलकाता, एजेंसी। कलकत्ता हाईकोर्ट ने तृणमूल कांग्रेस के नेता अभिषेक बनर्जी को शुक्रवार को बड़ी राहत दी। कोर्ट ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक को राहत देते हुए प्रवर्तन निदेशालय को निर्देश दिया कि वह बंगाल के स्कूल भर्ती घोटाले की जांच के सिलसिले में सांसद के खिलाफ कोई कठोर कार्रवाई न करे। हालांकि, कोर्ट ने ईडी की ओर से अभिषेक बनर्जी के खिलाफ दर्ज प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट खारिज नहीं की। ईसीआईआर प्राथमिकी के समान होती है।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि विवाद

शाही ईदगाह के वैज्ञानिक सर्वे की मांग खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी। सर्वोच्च न्यायालय ने मथुरा की श्रीकृष्ण जन्मभूमि में वैज्ञानिक सर्वेक्षण की मांग वाली याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। याचिका में शाही ईदगाह मस्जिद का वैज्ञानिक सर्वेक्षण कराने का निर्देश देने की मांग की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट से मस्जिद के सर्वेक्षण पर फैसला लेने को कहा। दरअसल, मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही मस्जिद ईदगाह कमेटी के विवाद में एक याचिका सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की गई थी। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति निर्माण ट्रस्ट की ओर से दाखिल इस याचिका में ज्ञानवापी की तर्ज पर श्रीकृष्ण जन्मभूमि के वैज्ञानिक सर्वे की मांग रखी गई थी। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति निर्माण ट्रस्ट के अध्यक्ष आशुतोष पांडेय निवासी गोविंद नगर, मथुरा की ओर से सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता सार्थक चतुर्वेदी ने याचिका पेश की थी। इसमें विवादित भूमि की पहचान, स्थान और माप की स्थानीय जांच की मांग की गई थी। इसमें दोनों पक्षों द्वारा किए गए दावों को प्रमाणित करने के लिए एक वैज्ञानिक सर्वे की आवश्यकता जताई गई थी।

ज्ञानवापी के आधार पर दाखिल की गई याचिका

याचिका ज्ञानवापी मस्जिद में चल रहे एएसआई सर्वे के आधार पर दाखिल की गई है। याचिकाकर्ता का तर्क है कि इस तरह के निर्माण को मस्जिद नहीं माना जा सकता। 1968 में हुआ समझौता दिखावा और धोखाधड़ी है। इसमें प्रतिवादी शाही मस्जिद ईदगाह प्रबंधन समिति है। याचिका में संपत्ति पंजीकरण में विसंगतियों के बारे में भी चिंता जताई गई है।

दिल्ली-एनसीआर में सभी पटाखों पर प्रतिबंध

सवोच्च न्यायालय ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में प्रदूषण के स्तर के मद्देनजर शुक्रवार को राजधानी में कम प्रदूषण वाले पटाखों (ग्रीन पटाखे) सहित सभी पटाखों पर प्रतिबंध लगा दिया। न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस मामले में फायरक्रैकर एसोसिएशन द्वारा दायर आवेदन को खारिज करते हुए कहा कि वह राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (दिल्ली-एनसीआर) में पटाखों के निर्माण और उपयोग की अनुमति नहीं दे सकती। शीर्ष अदालत ने राजधानी में पटाखे पर पूर्ण प्रतिबंध लागू करने में दिल्ली पुलिस की विफलता पर भी सवाल उठाया था। एसोसिएशन ने अपनी याचिका में ग्रीन पटाखों में बेहतर बदलाव के साथ बेरियम नामक रसायन को शामिल कर पटाखे की अनुमति देने की गुहार लगाई थी। शीर्ष अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि जिन राज्यों में पटाखों पर पूरी तरह से प्रतिबंध नहीं है, वहां लोग निर्धारित नियमों के अनुसार अपेक्षाकृत ग्रीन पटाखों का इस्तेमाल कर सकते हैं। अदालत का यह आदेश दीपावली के दौरान प्रदूषण के स्तर और अस्थमा एवं अन्य मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए बेहद खास है।

पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए गिरिराज चाचा द्वारा श्री सिद्धि विनायक प्रिंटर्स, प्लाट नं. 26 बी देशबन्धु परिसर, प्रेस कॉम्प्लेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल म.प्र. 462011 से मुद्रित एवं प्रकाशित, संपादक: **पलाश सुरजन,** कार्यकारी संपादक: **ज़ाकिर अली*** फोन 0755-4222971, ई-मेल deshbandhubpl1@yahoo.co.in प्रेस पंजीयन-प.स. 45096/85 * समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।